तापमान

अधिकतम 38.6 डिग्री

न्यूनतम 27.6 डिग्री

हरिभूमि

# इस्पात भूमि

रायपुर, शनिवार 13 जून 2026

14 एक काटने पर 10 पेड़ लगाने का नियम, लेकिन ...

15 जर्जर भवन में संचालित हो रहा उप स्वास्थ्य ...

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यु ओम ज्वेलर्स

हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री

शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता

टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है

▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन

cgiti.admissions.nic.in

बी.एम. आई.टी.आई.

कोपा ▶ इलेक्ट्रिशियन

हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर

डीजल मैकेनिक

फायर टेक्नालॉजी

स्टेनो हिन्दी

गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग

8770638793,9340311314

9303893829,9300850065

अंतिम तिथि-15/06/26

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

मास्टर कूपन

13 जून 2026

कूपन नं. 2

## खबर संक्षेप

### महिला से मारपीट करने वाले को 420 दिन की कैद

**दुर्ग।** नेवई थाना अंतर्गत निवासरत महिला से मारपीट करने वाले को कोर्ट ने 1 वर्ष, 1 माह, 25 दिन यानी करीब 420 दिन कैद की सजा सुनाई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर के न्यायालय से यह फैसला आया। प्रकरण के मुताबिक घटना 17 अप्रैल 2025 को सुबह करीब साढ़े 6 बजे की है। महिला काम पर जाने के लिए घर से निकली थी, तभी पुरानी घटना को लेकर आरोपी स्टेशन मरोदा निवासी ओम प्रकाश उर्फ सोनू पिता संतराम निर्मलकर (27 वर्ष) ने मारपीट की। महिला ने कुछ दिन पहले आरोपी के खिलाफ नेवई थाने में छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने महिला से मारपीट की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी पर दोष सिद्ध पाया गया। आरोपी को धारा 109 (1) में करीब 420 दिन की सजा सुनाई गई। मामले में शासन की तरफ से पैरवी लोक अभियोजक एमके दिल्लीवार ने की।

### अवैध शराब का कमीशन लेने वाले पकड़े गए

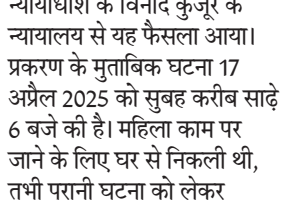

**भिलाई।** अवैध रूप से शराब बेचकर कमीशन लेने वालो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जामुल पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो युवक स्कूटी में अवैध रूप से शराब रखकर जामुल नंदिनी रोड स्थित बीके कंपनी के पास बेच रहे थे। जामुल पुलिस ने दबिश देकर घेराबंदी तीन युवको को पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम राजीव नगर, खुर्सीपार निवासी अजय कुमार अनिल विश्वकर्मा, शांति नगर कुम्हारी डागेश साहू बताया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 242 पौवा देशी शोले मसाला शराब कुल 43.560 बल्क लीटर, वाहन सीजी 07 एवी 1464 को जब्त किया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब देशी शराब दुकान जामुल के सुपरवाईजर डागेश साहू से कमीशन के आधार पर रकम मिलना स्वीकार किया।

**हरिभूमि** की लगातार खबर प्रकाशन के बाद जिला शिक्षा विभाग ने दिखाई तत्परता

# जिले के 42 हजार 877 विद्यार्थियों का इंतजार खत्म, आज से बंटेंगी स्कूलों में मार्कशीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले के पांचवी- आठवीं केंद्रीयकृत बोर्ड परीक्षा 2025-26 की मार्कशीट 13 जून से स्कूलों में मिलना शुरू हो जाएगी। जिला शिक्षा विभाग ने दुर्ग, पाटन और धमधा ब्लॉक के संकुलों में मार्कशीट भिजवाने का काम शुक्रवार को पूरा कर लिया।

इससे जिले के 42 हजार 877 विद्यार्थियों व उनके पालकों को काफी राहत मिलेगी। इसलिए कि जिला शिक्षा विभाग ने दोनों की केंद्रीयकृत बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट 30 अप्रैल को घोषित किया गया है लेकिन विद्यार्थियों को अब तक मार्कशीट नहीं मिली थी। मार्कशीट में इतनी त्रुटियां रही कि इसे सुधरवाने और मिलान करने में महीनेभर से ज्यादा समय लग गए।

दुर्ग जिले के 42 हजार 877 विद्यार्थी कर रहे हैं मार्कशीट का इंतजार

पांचवीं-आठवीं की मार्कशीट में इतनी त्रुटि कि महीनेभर बाद भी नहीं सुधरी, अब तक विद्यार्थियों को नहीं मिली

खबर का असर

### सरकारी स्कूलों में भी प्रवेश की होगी जरूरत

दुर्ग जिले के सरकारी स्कूलों के 29964 विद्यार्थियों ने पांचवी-आठवीं की केंद्रीयकृत बोर्ड परीक्षा दी है। इनमें पाचवीं के 14480 और आठवीं के 15484 विद्यार्थी हैं। पाचवीं के 13238 हिन्दी माध्यम और 1242 अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यार्थी हैं। आठवीं के हिन्दी माध्यम वाले 14243 और अंग्रेजी माध्यम वाले 1241 विद्यार्थी हैं। इनमें से कई स्कूल ऐसे हैं जहां मिडिल स्कूल तक सुविधा है। इसलिए नवमी में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को दूसरे स्कूल जाने की जरूरत पड़ेगी। वहीं कई विद्यार्थी फेल या पूरक आने के बाद अपनी पढ़ाई दूसरे स्कूलों में करना चाहते हैं। या अन्य कारणों से स्कूल बदलते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को मार्कशीट की नितांत आवश्यकता है।

### आरटीई विद्यार्थियों को मिलेगी राहत

16 जून से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है लेकिन मार्कशीट विद्यार्थियों के हाथ नहीं आई। खास दिक्कत विद्यार्थियों को इसलिए है कि कक्षा छठवीं और कक्षा नवमीं प्रवेश क्लास हैं। जबकि प्राइवेट स्कूलों में प्रवेश शुरू हो गया है। केंद्रीयकृत परीक्षा में इस बार निजी स्कूलों के विद्यार्थी भी शामिल हुए हैं। इसी तरह आरटीई के विद्यार्थियों को आठवीं कक्षा के बाद नवमीं में दूसरे स्कूलों में दाखिले लेना है। इसकी प्रक्रिया बिना मार्कशीट और टीसी के शुरू नहीं हो सकती।

### निजी स्कूलों में दाखिले हो चुके हैं शुरू

दुर्ग जिले में इस बार निजी स्कूलों में अध्ययनरत पांचवीं और आठवीं के 15887 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। इनमें पांचवी के 4199 अंग्रेजी माध्यम और 4472 हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी हैं। आठवीं में अंग्रेजी माध्यम के 4177 और हिन्दी माध्यम के 3039 विद्यार्थी केंद्रीयकृत बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए हैं। इन सभी विद्यार्थियों को इसलिए मार्कशीट की जरूरत है कि उन्हे दूसरे स्कूलों में दाखिला लेना है। खासकर आठवीं के उन विद्यार्थियों को नवमीं कक्षा में प्रवेश लेना है जिनके यहां मिडिल स्कूल तक की पढ़ाई की सुविधा है। निजी स्कूलों में प्रवेश शुरू हो गया है। बिना मार्कशीट के विद्यार्थी फार्म तक नहीं भर पा रहे थे।

### आज से स्कूलों में वितरण

पाचवी-आठवी की मार्कशीट क्लॉकों के संकुलों में पहुंचा दी गई है। स्कूलों में शनिवार को पहुंच जाएगी और वितरण करने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। किसी वजह से मार्कशीट वितरण नहीं हो पाया तो सीधे सोमवार को विद्यार्थी स्कूल से ले सकते हैं।

**अरविंद कुमार शर्मा,** जिला शिक्षा अधिकारी

**दुर्ग ग्रामीण में कभी भी बिजली की जा रही है बंद**

# प्री-मानसून के साथ ही रात व दिन में हो रही बिजली बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

प्री मानसून की शुरूआत से ही बिजली की समस्या ट्विनसिटी सहित पूरे जिलेभर में चल रही है। जैसे ही हल्की हवा चली बिजली बंद कर दी जा रही है। गुरुवार की रात दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में रात 2 बजे बिजली बंद कर दी गई। इस समय हवा चली और हल्की बारिश भी हुई। आधे घंटे मौसम का हाल ऐसा ही रहा लेकिन बिजली रातभर में चार बार बंद हुई। दोपहर को भी यही चक्र चला। लोग बारिश ठीक से नहीं होने की वजह से उमसभरी गर्मी से परेशान हैं। बिना पंखे,कूलर व एसी के कुछ देर तक रहना मुश्किल हो गया है वैसे में घंटों-घंटो तक कभी भी बिजली बंद होने से लोगों का क्या हाल हो रहा है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

### फोन तक नहीं उठाते स्टॉफ

उपभोक्ताओं ने बताया कि कॉल सेंटर में स्टॉफ फोन तक नहीं उठाते। जबकि पूरे 24 घंटे में तीन-तीन शिफ्टों में कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है। कर्मी ठेके पर नियुक्त किए गए हैं। संधारण के लिए पूरी टीम ठेके पर चलाई जा रही है। उसके बाद भी रात के समय बिजली घंटों बंद की जा रही है। बिजली विभाग के पास स्टॉफ की कमी को पूरा करने के लिए ठेके पर कर्मी रखे गए हैं। उसके बाद भी ये हाल है कि उपभोक्ताओं को दिक्कतें उठानी पड़ रही है।

**परीक्षाओं की तैयारी प्रभावितः** इन दिनों केंद्र व राज्य स्तर पर विभिन्न पदों पर वेकेंसी निकाली गई है। जिसकी परीक्षाएं लगातार आयोजित हो रही है। इन परीक्षाओं में दुर्ग भिलाई सहित पूरे जिलेभर के विद्यार्थी तैयारी करने में जुटे हुए है। बिजली अचानक बंद होने या फिर लंबे समय तक बिजली बंद करने से विद्यार्थियों की तैयारी प्रभावित हो रही है। घर में छोटे बच्चे और बुजुर्ग हैं। बिना पंखे, कूलर व एसी के ये रातभर सो नहीं पाते। घर का हर सदस्य परेशान है।

### इन इलाकों में सबसे ज्यादा बिजली बंद व लो वोल्टेज की समस्या

प्री मानसून की वजह से सबसे ज्यादा परेशानी उतई विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले इलाके में हो रही है। चंद्रनगर, लोकनगर, कबीरनगर, वेदांत नगर, न्यू नेहरूनगर सहित दर्जनभर कालोनियों में बिजली की समस्या है। लो वोल्टेज भी हो रहा है।उपभोक्ताओं ने बताया कि बिजली जैसे-तैसे आ भी जाती है तो तो लो वोल्टेज रहता है। एक फेस में बिजली होने और दो फेस में नहीं होने जैसी समस्या से भी लोग जूझ रहे हैं।

# पुलिस की चेकिंग, संदिग्धों से हिरासत में लेकर पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पुलिस चेकिंग के दौरान 22 संदिग्धों को पकड़कर उनकी फिंगरप्रिंट लेकर पहचान, आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया। वारंट तामिली, फरार आरोपियों की तलाश, संदिग्ध गतिविधियों की जांच की गई। टीम में 67 दुर्ग पुलिस कर्मी और अधिकारी मौजूद थे। बिना नंबर की चार वाहनों को जब्त कर सत्यापन किया गया। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, डीएसपी आईयूसीएडब्ल्यू भारती मरकाम के नेतृत्व में विशेष सघन चेकिंग चलाया गया। कैम्प-1 स्थित प्रेम नगर, स्टील नगर, संग्राम चौक से 22 संदिग्धों को पकड़ा गया। अभियान सुबह 4 बजे से 8 बजे तक चलाया गया। विशेष अभियान के लिए थाना वैशाली नगर, दुर्ग, चौकी स्मृति नगर, नेवई, भिलाई भट्टी, थाना अजाक, एनटीएफ, ट्रैफिक पुलिस, एसीसीयू, पुलिस लाइन दुर्ग की टीम मौजूद थी। कार्रवाई में एनटीएफ प्रभारी तापेश्वर नेताम, निरीक्षक प्रशांत मिश्रा,राजेश साहू, शिवचन्द्रा थाना, अनिल कुमार साहू समेत एसीसीयू टीम जुटी रही।

■ चार बिना नंबर की वाहन जब्त, 22 का फिंगर प्रिंट लेकर सत्यापन

# खदान में डूबने से बालक की मौत हाथ में मिली कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पथरिया खदान में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। है। शुक्रवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम ने 50 फीट गहरे पानी से शव को बहार निकाला है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि ग्राम पथरिया निवासी बालक आयुष मार्कंडेय 13 वर्ष का शव खदान में मिलने से सनसनी फैल गई। बताया गया है कि गुरुवार शाम से आयुष घर से निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी आसपास काफी तलाश किया। जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ को सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची और खदान की अधिक गहराई और अंधेरे के कारण रात में खोज अभियान शुरू नहीं हो पाई। शुक्रवार सुबह टीम ने खोजबीन कर मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। जिला सेनानी और जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर सुबह 5:30 बजे एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। डिप डाइविंग विशेषज्ञ राजकुमार यादव, चंद्रप्रताप जघेल ने गहरे पानी में उतरकर तलाश शुरू की। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 7 बजे आयुष का शव खदान से बाहर निकाला गया।

### खदान में सुरक्षा के इंतजाम नहीं

शव मिलने के बाद आयुष के हाथ में एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल थी। परिजनों के मुताबिक आयुष को खाली बोतलों से खेलने का शौक था। घटनास्थल पर खदान किनारे फिसलने के निशान भी मिले हैं। शुरुआती जांच में संदेह जताया गया है कि बोतल हाथ से छूटने के बाद आयुष उसे उठाने के लिए खदान के किनारे पहुंचा होगा। तब अधिक गहराई में जाने से खदान में डूब गया होगा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने खदान क्षेत्र में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े किए हैं। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच में लिया है।

# शराब पीने रकम नहीं मिलने पर किया प्राणघातक हमला, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शराब पीने के लिए रकम नहीं देने पर प्राणघातक हमला करने वाले युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि लोकेश सोनी ने शिकायत किया है कि बीसीजी स्कूल मैदान के पास अपनी पिकअप वाहन खड़ी कर कही गया था। तभी युवकों द्वारा उससे शराब पीने के लिए रकम का डिमांड करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर मारपीट कर धारदार हथियार से हमला कर मौके से फरार हो गए। हमले के दौरान पीड़ित के बाएं हाथ में चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे गणेश सोनकर पर भी आरोपियों ने हमला कर घायल किया। पुलिस को जानकारी लगने पर आरोपियों की खोजबीन में जुटी रही। सूचना पर पुलिस ने कारगिल चौक, आजाद चौक, रामनगर निवासी राम वर्म,राजबीर बघेल और दो अपचारी बालको को पकड़ा गया। उनके पास से पुलिस ने धारदार बटनदार हथियार जब्त किया है।

### अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

**भिलाई।** अवैध शराब के साथ व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बोरी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम बड़े टेमरी में पुलिस ने दबिश दी। जहां से सुरज बारले को पकड़ा गया। जिसके पास से 15 लीटर कच्ची महुआ शराब व नगदी जब्त किया गया। आरोपी के पास से प्लास्टिक जरीकेन में शराब मिला। शराब की कीम 6400 रुपए आंकी गई है।

**मिनी हेल्थ चेकअप सेंटर की सुविधा फाइलों में कैद, राशि मिलने के बाद भी शुरू नहीं हुई योजना**

# 45 लाख जमा, फिर भी नहीं लगा हेल्थ एटीएम, एक साल से इंतजार में दुर्ग जिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल पिछले एक साल से अधूरी पड़ी हुई है। हेल्थ एटीएम जैसी अत्याधुनिक स्वास्थ्य जांच मशीन के लिए राशि जमा होने के बावजूद अब तक यह सुविधा आम लोगों को नहीं मिल पाई है। यह मशीन दुर्ग जिले के मेडेसरा, अहिवारा और भिलाई 3 के सरकारी अस्पताल में लगनी थी। वहीं स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि खरीद प्रक्रिया में तकनीकी और प्रक्रियागत बाधाओं के कारण देरी हो रही है। हेल्थ एटीएम एक डिजिटल स्वास्थ्य जांच मशीन या कियोस्क होता है, जिसे मिनी हेल्थ चेकअप सेंटर भी कहा जाता है। इस मशीन के माध्यम से कुछ ही मिनटों में व्यक्ति की कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांच की जा सकती है। इसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ऑक्सीजन लेवल, शरीर का तापमान, वजन, बीएमआई, पल्स रेट और ईसीजी जैसी अनेक जांचें शामिल हैं। जानकारी के अनुसार अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने करीब एक वर्ष पहले हेल्थ एटीएम मशीन की स्थापना के लिए 45 लाख रुपए की राशि सीएमएचओ कार्यालय को उपलब्ध कराई थी। उद्देश्य था कि जिले के लोगों को आधुनिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा आसानी से मिल सके और शुरुआती स्तर पर बीमारियों की पहचान हो सके, लेकिन राशि जमा होने के बाद भी अब तक हेल्थ एटीएम मशीन स्थापित नहीं हो सकी है। यदि यह मशीन शुरू हो जाती है तो जिले के हजारों लोगों को त्वरित स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सकती है। खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जहां विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित रहती है।

**मेड़ेसरा, अहिवारा और भिलाई 3 के सरकारी अस्पताल में लगनी थी हेल्थ एटीएम मशीन**

### वरदान बनेगा हेल्थ एटीएम कुछ मिनटों में मिलेगी रिपोर्ट

ये टच-स्क्रीन वाली मशीनें एटीएम के आकार की होती हैं और बिना किसी पैरामेडिक की मदद के पल्स, ब्लड प्रेशर, तापमान, बॉडी मास कंपोजिशन, ब्लड ग्लूकोज, ऑक्सीजन सैचुरेशन लेवल और ईसीजी जैसे जरूरी पैरामीटर्स की जांच कर सकती हैं। हेल्थ एटीएम के जरिए बीमारियों की शुरुआती पहचान संभव हो पाती है। इससे लोगों को समय पर इलाज मिल सकता है और गंभीर बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में हेल्थ एटीएम विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रहा है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सीमित होती है। इस मशीन के माध्यम से लोगों को अपने क्षेत्र में ही बुनियादी स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल जाती है।

फाइल फोटो

### खरीदी का प्रयास लगातार जारी है

“ हेल्थ एटीएम जैसी विशेष मशीनों के सीमित सप्लायर होने के कारण वेंडर संख्या पूरी नहीं हो पा रही है। यही वजह है कि खरीदी प्रक्रिया बार-बार अटक रही है। हेल्थ एटीएम मशीन खरीदी के लिए सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है।

-डॉ. सीबीएस बंजारे
नोडल अधिकारी स्टोर शाखा सीएमएचओ कार्यालय

### एक मशीन से ही दर्जनों जांच

हेल्थ एटीएम के आने से लोगों को अलग-अलग काउंटरों या अस्पतालों के चक्कर न लगाने पड़ें। हेल्थ एटीएम इसी सुविधा को आसान बनाने वाला एक आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र है। हेल्थ एटीएम एक ऐसी स्मार्ट मशीन है जो कुछ ही मिनटों में व्यक्ति के स्वास्थ्य से जुड़े करीब 30 महत्वपूर्ण पैरामीटर की जांच कर सकती है। इस मशीन के माध्यम से ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ऑक्सीजन लेवल, पल्स रेट, शरीर का तापमान, वजन और ऊंचाई जैसी बुनियादी जांचें तुरंत की जा सकती हैं। इसके अलावा बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई, ईसीजी, हीमोग्लोबिन, शरीर में वसा की मात्रा, मांसपेशियों का प्रतिशत और मेटाबॉलिक एज जैसी उन्नत जांच सुविधाएं भी उपलब्ध रहती हैं। कई हेल्थ एटीएम तनाव स्तर का आकलन करने में भी सक्षम होते हैं।

### जेम पोर्टल की प्रक्रिया बनी बड़ी अड़चन

डॉ. सीबीएस बंजारे के अनुसार सभी शासकीय सामग्री की खरीदी जेम पोर्टल के माध्यम से की जाती है। शुरुआत में हेल्थ एटीएम मशीन जेम पोर्टल पर उपलब्ध ही नहीं थी। इसके बाद संबंधित कंपनी से संपर्क कर हेल्थ एटीएम को जेम पोर्टल में सूचीबद्ध कराया गया। डॉ. बंजारे के मुताबिक इसके लिए कम से कम तीन वेंडर या सप्लायर की भागीदारी जरूरी रहती है। स्वास्थ्य विभाग अब तक हेल्थ एटीएम मशीन की खरीदी के लिए तीन बार टेंडर जारी कर चुका है, लेकिन पर्याप्त वेंडर नहीं मिलने के कारण हर बार टेंडर निरस्त हो गया। प्रत्येक टेंडर की प्रक्रिया लगभग 21 दिनों की होती है, जिससे समय भी अधिक लग रहा है।

# भू-जल सहेजने 3923 कार्यों को मंजूरी, 66663 श्रमिकों को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत दुर्ग जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से जिले के 66 हजार 663 से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 3923 निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, जिनसे एक ओर ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हो रही है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी नई दिशा मिल रही है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन पर जिले में 1 जुलाई से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी मिट्टी मूलक निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी ग्राम पंचायतों में जॉब कार्डधारी श्रमिकों को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं मैदानी अमले को श्रमिकों की मांग के अनुरूप तत्काल कार्य उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

### 600 दिव्यांग परिवारों को भी मिला रोजगार

मनरेगा के तहत जिले में अब तक 21 लाख 45 हजार 386 मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 2093 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है तथा 600 दिव्यांग परिवारों को भी रोजगार से जोड़ा गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जनपद पंचायत वार स्थिति पर नजर डालें तो जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 1048 कार्यों में 16 हजार 806 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत 1687 कार्यों में 22 हजार 963 श्रमिक तथा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 1188 कार्यों में 26 हजार 865 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान में अमृत सरोवर निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, आजीविका डबरी निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग टैंक (डब्ल्यूएचटी), कच्ची सिंचाई नाली निर्माण सहित अन्य श्रममूलक कार्य प्राथमिकता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है।

### मनरेगा के अंतर्गत शासन से मिली मंजूरी

### श्रमिकों को किया गया भुगतान

जिले में मनरेगा के तहत कुल 36 करोड़ 29 लाख 70 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसमें जनपद पंचायत दुर्ग के श्रमिकों को 11 करोड़ 43 लाख 73 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा के श्रमिकों को 12 करोड़ 14 लाख 07 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन के श्रमिकों को 9 करोड़ 47 लाख 88 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खातों में जमा कराई गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 56 लाख 43 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया गया है।

### जिले में 249 नए निर्माण कार्यों के लिए मिली स्वीकृति

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि वर्ष 2026-27 में जिले में बड़े पैमाने पर श्रममूलक निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जनपद पंचायत दुर्ग में 183 निर्माण कार्यों के लिए 1480.18 लाख रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 149 निर्माण कार्यों के लिए 1212.84 लाख रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 249 निर्माण कार्यों के लिए 1984.63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार जिले में कुल 581 निर्माण कार्यों के लिए 4677.65 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिले में संचालित निर्माण कार्यों से आने वाले वर्षों में किसानों, श्रमिकों और ग्रामीण समुदायों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा तथा आत्मनिर्भर ग्रामीण विकास को नई मजबूती मिलेगी।

## खबर संक्षेप

### किसानों को निर्धारित दर पर उपलब्ध होंगे उर्वरक

दुर्ग। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की कृषक विक्रय दर निर्धारित की गई है। निर्धारित दरों के अनुसार जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी, एसएसपी, जिंकटेड सहित नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है। उपसंचालक कृषि संदीप भोई ने बताया कि यूरिया उर्वरक का कृषक विक्रय दर 266.50 रुपये प्रति बोरी निर्धारित की गई है। वहीं डीएपी उर्वरक की दर कंपनी के अनुसार 1350 रुपए प्रति बोरी तक निर्धारित है। एनपीके उर्वरकों में 12:32:16 का मूल्य 1990 रुपए, 20:20:0:13 का मूल्य 1850 रुपए एवं 12:26:26 की दर 1990 रुपए निर्धारित की गई हैं। इसी प्रकार एमओपी (पोटाश) की दर 1975 रुपए प्रति बोरी रहेगी। एसएसपी पावडर, 551 एसएसपी दानेदार 591 रुपए, जिंकटेड एसएसपी पावडर 576 रुपए एवं टीएसपी 1300 रुपए दर तय की गई हैं, जिससे किसानों को बाजार में निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए इफको नैनो यूरिया 225 रुपये तथा इफको नैनो डीएपी 600 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। उर्वरक भण्डारण-वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता की स्थिति में उर्वरक निरीक्षक उर्वरक कार्रवाई करेंगे।

## 6.72 करोड़ की लागत से सड़क चौड़ीकरण के लिए 184 से ज्यादा पेड़ों को काटा जा रहा

# एक काटने पर 10 पेड़ लगाने का नियम, लेकिन कहां लगेंगे दुर्ग निगम में नहीं हो पाया तय

चौड़ीकरण के नाम पर काटे जा रहे 184 हरे-भरे पेड़

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

धमधा नाका से कातुलबोड़ और जुनवानी को जोड़ने के लिए सड़क चौड़ीकरण और रिनोवेशन का काम तो शुरू कर दिया गया है, लेकिन इस दौरान सड़क पर दोनों तरफ हरियाली बिखरने वाले प्राकृतिक रूप से उगे हरे-भरे पेड़ को काटा जा रहा है। निगम, राजस्व और वन विभाग के मुताबिक सब कुछ नियमों के अनुरूप किया जा रहा है। संयुक्त टीम पेड़ को काटकर वन विभाग के डिपो में पहुंचा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अब भी पिछले तीन दिनों में काटे गए पेड़ों और टहनियों में अधिकांश सड़क किनारे ही पड़े हुए हैं। इतना ही नहीं वन संरक्षण अधिनियम के मुताबिक जिन पेड़ों को काटा जा रहा है, उसमें एक पेड़ कटने के बदले 10 पेड़ लगाने का नियम है। वर्तमान में नए पेड़-पौधे कहां लगेंगे, इसे अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है, न ही जिम्मेदारों के पास सही जानकारी है। न ही जानकारी सार्वजनिक की गई है। इस वजह से शहर के पर्यावरण प्रेमियों में खासी नाराजगी है। उन्होंने निगम और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटा जा रहा है, तो पहले से वैकल्पिक इंतजाम तय करने चाहिए। जानकारी सार्वजनिक भी करनी चाहिए, ताकि लोगों को यह पता चल सके कि नए पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।

### वन संरक्षण अधिनियमों की अनदेखी की आशंका, क्योंकि जगह को लेकर संशय

### हरे-भरे पेड़ों की कटाई को लेकर बनाए गए नए नियम

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पेड़ों की कटाई को आसान बना दिया गया है। इसके लिए सरकार ने कटाई के नियमों में बदलाव किया है। इसको पिछले दिनों राजपत्र में भी प्रकाशित किया जा चुका है। नये नियमों के तहत निजी या संस्थान के लिए नए रोपे गए पेड़ों को काटने के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं होगी। इसकी केवल सूचना देनी होगी। लेकिन प्राकृतिक रूप से खुद उग आए पेड़ों को काटने से पहले एसडीएम ने अनुमति लेनी होगी। निर्धारित समय सीमा में यह अनुमति न मिली तो भू-स्वामी पेड़ कटाई के लिए स्वतंत्र हो जाएगा। नये नियमों के मुताबिक, प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों की कटाई की अनुमति के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवेदन देना होगा।

### 1 पेड़ कटने पर 10 पेड़ या पौधे लगाने होंगे, देखरेख भी जरूरी

नियमों के अनुसार प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों की कटाई के लिए एक मानक भी तय हुआ है। इसके मुताबिक एक कैलेंडर वर्ष में प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों में से अधिकतम चार पेड़ प्रति एकड़ काटे जा सकेंगे। कई एकड़ में फैले पेड़ों के बावजूद एक साल में अधिकतम 10 पेड़ों को काटे जाने की अनुमति दी जा सकती है। भू-स्वामी चाहे तो वन विभाग के जरिये भी इन पेड़ों की कटाई करा सकता है। लगाए गए पेड़ काटने की इस तरह देनी होगी सूचना नये नियमों के मुताबिक लगाए गए पेड़ों की कटाई के लिए एक तय प्रारूप में सूचना देनी होगी। कटाई से एक महीने पहले एसडीएम और वन परिक्षेत्राधिकारी को पेड़ की कटाई का कारण, प्रजाति और संख्या की जानकारी देनी होगी।

### वन विभाग काटेगा तो डिपो ले जाएगा लकड़ी, खाते में आएगा पैसा

अगर भू-स्वामी अपनी जमीन पर लगे पेड़ों की कटाई वन विभाग से कराएगा तो विभाग इसकी लकड़ी डीपो तक पहुंचाएगा। यहां निर्धारित दर पर लकड़ी के मूल्य की गणना की जाएगी। अनुसूचित जनजाति वर्ग का भू-स्वामी हुआ तो छत्तीसगढ़ आदिम जनजातियों का संरक्षण (वृक्षों में हित) अधिनियम 1999 के प्रावधानों के तहत कुल मूल्य की 95% राशि उसके बैंक खाते में जमा कराएगा। शेष 5% राशि वन विभाग के निर्धारित खाते में जमा की जाएगी। इस राशि से प्रत्येक काटे गए पेड़ के एवज में पांच पौधे रोपे जाएंगे। भू-राजस्व संहिता प्रशासित क्षेत्रों में लकड़ी के कुल मूल्य का 90% भू-स्वामी के बैंक खाते में जाएगी। शेष 10% वन विभाग के खाते में जाएगी। इस रकम से विभाग काटे गये एक पेड़ के बदले 10 पेड़ लगाएगा।

### कितने ही पक्षियों के आशियाने उजाड़े गए

पेड़ों की कटाई गलत है, उन्हें शिफ्ट करना चाहिए, जब हमारे पास यह तकनीक उपलब्ध है, तो हमने इस ओर क्यों विचार नहीं किया। आदित्य नगर में जिस बेदर्दी से पेड़ों को काटा गया है, उससे सैकड़ों पक्षियों के आशियाने उजड़ गए हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके एवज में कहां पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, इस बारे में भी जानकारी नहीं दी जा रही है।

-बृजकिशोर शर्मा, कादम्बरी नगर दुर्ग

### सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

न्यू आदर्श नगर महाराजा चौक से बोरसी रोड पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल को जांच सौंपी गई है। शिकायत में कहा गया है कि एक होटल द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। इससे मुख्य मार्ग बाधित हो रहा है। लोगों ने कहा कि कि होटल के सामने वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क पर पानी डालने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जांच कर कार्रवाई की मांग की गई। इधर समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष शेख रज्जाक ने अवैध प्लॉटिंग को लेकर शिकायत की है।

■ आयुक्त सुमित अग्रवाल को सौंपी जांच की जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुसार दुर्ग शहर के विकास के लिए बड़े से बड़े कदम उठाकर निरन्तर प्रयत्नशील है। मगर इस शहर को बदनाम करने की नीयत से कुछ भू-माफियाओं द्वारा शहर के बीचो-बीच अवैध प्लाट काटने का प्रयास किया जा रहा है। अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिए सरकार द्वारा सराहनीय कदम उठाये गये हैं, जिससे अवैध कॉलोनी,अवैध निर्माण पर रोक लगाया जा सके। इन नियमों के विरूद्ध कुछ लोग खुद की जमीन को अवैध प्लॉटिंग करने वालों के नाम से एवं स्वयं भी अवैध प्लाटिंग का कार्य कर रहे हैं। सुभाष नगर, केलाबाड़ी में लगभग 5 एकड़ जमीन पर मुरम, मिट्टी डालकर खुलेआम शासन के नियमों को ताक में रखकर अवैध प्लाटिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। जमीन को एक एकड़ या 2 एकड़ में बेचकर दलालों को संरक्षण देकर नई मस्जिद के आसपास 2 वर्ष के अंतराल में कई टुकड़ों में बेचे जा चुके हैं।

# आंधी तूफान से रेलवे कॉलोनी में पेड़ गिरे, बिजली कर्मियों ने हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भीषण आंधी तूफान आने से रेलवे कॉलोनी बीएमवाई चरोदा में भारी नुकसान हुआ है। करीब 50 से अधिक बड़े पेड़ गिरने से सड़कें बुरी तरह अवरुद्ध हो गया था आने जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई रलवे क्वाटरे भी क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली के पोल भी झूक गए हादसा हो सकता था। लेकिन रेलवे मजदूर कांग्रेस की टीम में डी. विजय कुमार, शेषु बाबू, अनुचकु संतोष रेड्डी , सुधाकर के नेतृत्व डीआरएम को अवगत कराया गया। इस दौरान सीनियर डीई से समन्वय कर अन्य विभागों, जेसीबी, आईओडब्लू विभाग की मदद से रेलवे कालोनी में राहत कार्य शुरु किया गया। मजदूर कांग्रेस का अहम योगदान रहा है। धनंजय अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और मजदूर कांग्रेस की पूरी टीम ने गिरे पेड पौधो को सड़कों से हटाकर आवागमन को बेहतर किया। बिजली के खंभों को सीधा करने में भी अपनी अहम भूमिका निभाई। 50 से अधिक गिरे हुए पेड़ों में से अधिकांश को अपडेट करने में सफलता हासिल हुई। रेलवे कर्मियों, अधिकारियों समेत विभागों के द्वारा लगातार काम कर व्यवस्था को बेहतर किय।

■ 50 से अधिक पेड़ को हटाने में मिला सहयोग

# जिला अस्पताल में अब हृदय रोग विभाग रूम नंबर 17 में होगा संचालित

दुर्ग। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश बक्शी जिला चिकित्सालय में निःशुल्क सेवाएं प्रदान करेंगे। जिला चिकित्सालय दुर्ग में 500 बेड, मेडिसिन, त्वचा, नेत्र,कान, नाक, गला, शल्य क्रिया हड्डी, मातृत्व शिशु विभाग, डायलिसिस, आईसीयू, बर्न विभाग सहित 500 यूनिट की क्षमता के ब्लड बैंक स्थापित है। यहां अब हृदय रोग विभाग रूम नंबर 17 में संचालित होगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश बक्शी माह के प्रत्येक शुक्रवार को 10 बजे से 1 बजे तक निः शुल्क परीक्षण और मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करेंगे। शक्रवार 12 जून से इनकी सेवा प्रारंभ हुई है। अस्पताल में उनका स्वागत किया गया। इस दौरान सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ.एके मिंज, जीवन दीप समिति के दिलीप ठाकुर, सतीश सुराना, छग के स्वास्थ्य विभाग के दुर्ग संभागीय अध्यक्ष अजय नायक, ओम सत्यम, शिक्षण एवं जन विकास समिति अध्यक्ष सीता राम ठाकुर उपस्थित थे।

# ऑनलाइन बिक रहा नशे का सामान, खुर्सीपार कुम्हारी, सिकोलाभाठा में तस्कर सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले में नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने कलेक्टोरेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में मादक पदार्थों के रोकथाम, नशा मुक्ति केन्द्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाइयों की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल शामिल हुए।

■ नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी जानकारी

पुलिस अधीक्षक ने अवगत कराया कि खुर्सीपार, कुम्हारी, सिकोलाभाठा एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर नशीली पदार्थों के आदतन तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाहियां भी की जा रही है। तस्करों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशे का सेवन कर व्यवधान करने वालों की सूचना के लिए टोल फ्री नंबर 1933 जारी की गई है। सूचना देने वालों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। एसएसपी ने ड्रग लाइसेंसी कंपनियों एवं ई-कामर्स कंपनियों द्वारा ड्रग की सप्लाई पर चिंता जाहिर करते हुए औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को इस पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। औषधि प्रसाधन अधिकारी ने अवगत कराया कि उनकी टीम द्वारा सभी मेडिकल दुकानों की जांच की जा रही है। साथ ही बिक्री किए जा रही मेडिसिन्स की रिकार्ड रखने के निर्देश दिए गए है। वहीं नारकोटिक्स दवाइयों के रिकार्ड में गड़बड़ी मिलने पर मेडिकल दुकानों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों से संबंधित स्पोर्ट्स अफसर को खेल मैदान एवं परिसर के आस-पास मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है। बैठक में सीएसपी आरके तिवारी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं समाज कल्याण, उद्योग एवं व्यापार, आबकारी व शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

## पीएम मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम को 10 साल पूरे

# भिलाई-3 पीएचसी में हाई रिस्क गर्भवतियों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के संकल्प को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम पीएमएसएमए के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, गोदभराई कार्यक्रम, परामर्श सत्र तथा वृक्षारोपण जैसे विविध आयोजन किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित प्रसव के प्रति जागरूक करना रहा।

■ गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

जिला मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना चौहान और संस्था प्रभारी डॉ. शिखर अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 37 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। वहीं 17 महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी कर रिपोर्ट प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में 37 महिलाओं की विभिन्न लैब जांच भी निःशुल्क की गई। इनमें एचआईवी जांच, हीमोग्लोबिन परीक्षण, रक्त एवं मूत्र परीक्षण शामिल रहे। जांच के पश्चात सभी हितग्राहियों को रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं सलाह भी दी गई। बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2016 में देशभर में की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना, मातृ मृत्यु दर में कमी लाना तथा नवजात एवं शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करना है। कार्यक्रम में डॉ. संध्या चक्रवर्ती, आरएमए प्रज्ञा कुशवाहा, बीईटीओ सैय्यद असलम, एलएचवी आर विश्वास, लैब टेक्नीशियन आलिया खातून, फार्मासिस्ट तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, सुप्रजा कार्यक्रम की डॉ. अर्पिता शर्मा, योग चिकित्सक और परामर्शदाता डॉ. आकांक्षा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

### सुरक्षित प्रसव की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भावस्था के दौरान उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए निकटतम रेफरल यूनिट की जानकारी, अल्ट्रासाउंड सुविधा, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, परिवार नियोजन, आयरन एवं कैल्शियम की गोलियों के सेवन तथा टेटनस टॉक्साइड टीडी टीकाकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं की व्यक्तिगत निगरानी और ट्रैकिंग की प्रक्रिया और परिवहन सहायता योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित गोदभराई समारोह में गर्भवती महिलाओं के साथ उनके परिजनों और पतियों की भी सहभागिता सुनिश्चित की गई। इस दौरान होने वाले पिता को प्रसव के समय रक्तदाता की व्यवस्था, बर्थ प्लान तैयार करने, शासन की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ लेने, बैंक खाते को आधार से लिंक कराने तथा प्रसव के लिए निःशुल्क 102 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

### अस्पताल परिसर में पौधारोपण

विशेष कार्यक्रम का एक अनूठा आकर्षण पौधरोपण अभियान भी रहा। गर्भवती महिलाओं के हाथों अस्पताल परिसर में पौधारोपण कराया गया। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए यह प्रेरणा दी गई कि जिस प्रकार एक पौधे को संरक्षण और देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार गर्भ में पल रहे शिशु और मां के स्वास्थ्य की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने कहा कि शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक जांच और उपचार की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं से प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर नियमित जांच कराने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

# पीएम मोदी के दीर्घायु जीवन की कामना, किया हनुमान चालीसा पाठ

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बढ़ता भारत, बदलता भारत अभियान के तहत दुर्ग जिला भाजपा ने विशेष पूजा-अर्चना और मंगलकामना कार्यक्रम आयोजित किया। जिला भाजपा कार्यालय के पीछे स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य तथा राष्ट्र की निरंतर प्रगति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भगवान हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान हनुमान चालीसा एवं आरती का पाठ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की गई। साथ ही देश की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए भी प्रार्थना की गई। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किया है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, राजीव पांडेय, शिव चंद्राकर, दिनेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## खबर संक्षेप

### पीएम श्री सेजस कुम्हारी में समर कैंप शुरू

**कुम्हारी।** पीएम श्री सेजस कुम्हारी में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप में छात्र-छात्राओं की रुचि एवं प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। कैंप के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट, म्यूजिक, डांस, स्पोर्ट्स एवं गेम्स, योग एवं मेडिटेशन, ड्रामा, कलर एक्टिविटी, फन लर्निंग एक्टिविटी, डिजिटल स्किल प्रशिक्षण तथा टैलेंट शो जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

### प्रथम पुण्यतिथि पर आकाश राव को श्रद्धा सुमन अर्पित

**पाटन।** कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद हुए, 2013 बैच के वीर पुलिस अधिकारी एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। पाटन के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ऑफिस में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा व जवानों और नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एसडीओपी अनूप लकड़ा, विभाग के कर्मचारी चंद्रभान बरें, उत्तम देशमुख,नीरज लिंबू व वरिष्ठ नागरिक रेखा देवांगन, पोषण कोसरे और मुकेश सेन सहित आमजन उपस्थित रहे। शहीद आकाश राव गिरिपुंजे पाटन में लंबे समय तक पदस्थ रहे वे पाटन एसडीओपी के रूप में कार्यरत थे चूंकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार हुआ करता थी वहीं मुख्यमंत्री के विधान सभा क्षेत्र में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी।

## निधन

### मनोरमा शर्मा

**दुर्ग।** राजस्थानी गौड़ ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य स्व. किशोर

शर्मा की पत्नी मनोरमा शर्मा का निधन शुक्रवार को हो गया है। अंतिम यात्रा 13 जून को दोपहर 3 बजे निवास स्थान कमला डेयरी, गंजपारा दुर्ग से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए निकाली जाएगी। वे ईशान शर्मा मोनू की मां और निर्मल शर्मा व अजय शर्मा की भाभी थी।

### छबि रॉय

**भिलाई।** निवासी एसबी गोल्फ

लिंक, चौखली दुर्ग निवासी छबि रॉय पति भूदेव रॉय का निधन 11 जून को हो गया। इनका अंतिम संस्कार राम नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे डॉ. सोमा रॉय, सुजाता रॉय व सुष्मिता मुखर्जी की मां और मराठा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सावले की सास थी।

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, **रामकृष्ण राठौर**, पुत्र श्री महाबीर प्रसाद राठौर, निवासी प्लाट नं. 288/11, सागर मैरिज पैलेस के पीछे, मैत्रीकुंज, रिसाली, भिलाई, छत्तीसगढ़, यह शपथ/घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम "**रामकृष्ण**" से बदलकर "**रामकृष्ण राठौर**" कर लिया है। अतः आज दिनांक से मुझे मेरे सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी दस्तावेजों में मेरे नए नाम "**रामकृष्ण राठौर**" से ही पहचाना जाए।

**रामकृष्ण राठौर**
पुत्र श्री महाबीर प्रसाद राठौर
प्लाट नं. 288/11,
सागर मैरिज पैलेस के पीछे,
मैत्रीकुंज, रिसाली,
भिलाई, छत्तीसगढ़

### कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, हमेशा बना रहता है जान का खतरा

# जर्जर भवन में संचालित हो रहा उप स्वास्थ्य केन्द्र, जोखिम के बीच सेवा दे रहे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

**विभागीय स्तर पर जानकारी भेजी जा चुकी, कार्रवाई अब तक शून्य**

दुर्ग जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निकुम के अंतर्गत आने वाला उप स्वास्थ्य केन्द्र अण्डा इन दिनों अत्यंत जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। भवन की स्थिति ऐसी है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे मरीजों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य केन्द्र के बाथरूम के पास, कार्यालय कक्ष तथा स्टोर रूम की छत कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। छत का सीमेंट उखड़कर गिर रहा है तथा लोहे की छड़ें भी बाहर दिखाई दे रही हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक चिंताजनक हो सकती है।

उप स्वास्थ्य केन्द्र अण्डा में प्रसूति सेवाएं भी संचालित होती हैं और यहां डिलीवरी के लिए मरीज भर्ती होते हैं। ऐसे में मरीजों एवं उनके परिजनों को लगातार भय बना रहता है कि कहीं छत का कोई हिस्सा अचानक गिर न जाए। विशेष रूप से बाथरूम क्षेत्र में छत की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

सामाजिक कार्यकर्ता हेमेन्द्र कुमार चन्द्राकर ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी लगभग एक माह पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निकुम के खण्ड चिकित्सा अधिकारी बेलचन्दन को दी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक आवश्यक मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है।

इस संबंध में हेमेन्द्र कुमार चन्द्राकर ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, कलेक्टर दुर्ग तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग से उप स्वास्थ्य केन्द्र अण्डा के भवन की तत्काल मरम्मत कराने एवं नए भवन के निर्माण की मांग की है।

क्षेत्र के नागरिकों ने भी प्रशासन से मांग की है कि मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मामले का शीघ्र संज्ञान लिया जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से पहले आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## बिजनेस साइट

### आईटीआई प्रवेश के लिए आवेदन 15 जून तक

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त शासकीय आईटीआई में एनसीवीटी दिल्ली और एससीवीटी द्वारा मान्यता प्राप्त व्यवसाय ट्रेडों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून है। बीएम प्राइवेट आईटीआई, गोकुल नगर पुलगांव दुर्ग एनसीवीटी दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था है, जिसके अंतर्गत ट्रेड- कोपा कंप्यूटर, इलेक्ट्रीशियन, डीजल मैकेनिक, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर, स्टेनो हिंदी तथा फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट कोर्स संचालित है। बीएम आईटीआई की स्थापना वर्ष 2015 में हुई। बीएम कॉलेज हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से मान्यता प्राप्त संस्था है जिसके अंतर्गत - बीसीए, बीबीए, पीजीडीसीए एवं बीएड कोर्स संचालित है। बीएड के लिए कॉलेज कोड - 114336 है। बीएड प्रवेश की प्रक्रिया काउंसलिंग के द्वारा की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश हेतु निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन बीएम आईटीआई, गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग में कर सकते हैं। विद्यार्थी फीस सुविधा अनुसार किस्तों में भी जमा कर सकते हैं । यह जानकारी संस्था के प्राचार्य ने दी।

### अतुल ऑटो में हर ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार

**भिलाई।** शहर के व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों और यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब भिलाई में भी अतुल ऑटो के आधुनिक और दमदार कमर्शियल वाहन उपलब्ध हो गए हैं। सुपेला रोड स्थित गीता मोटर्स को अतुल ऑटो का अधिकृत विक्रेता बनाया गया है, जहां डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल्स की विस्तृत रेंज ग्राहकों के लिए पेश की जा रही है। गीता मोटर्स द्वारा लॉन्च किए गए इन वाहनों में इलेक्ट्रिक और पारंपरिक दोनों प्रकार के मॉडल शामिल हैं, जो व्यापार को नई ऊंचाइयां देने में सक्षम बताए जा रहे हैं। कंपनी ने बढ़ती ईंधन कीमतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष फोकस किया है। कंपनी के अनुसार यह वाहन लगभग 207 किलोमीटर तक का इंटरसिटी माइलेज देने में सक्षम है। साथ ही इसकी बैटरी केवल 6 घंटे में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। अतुल ऑटो में हर ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार स्वरूप दिया जाएगा। वाहन में ड्राइवर और यात्रियों के लिए अधिक स्पेस दिया गया है, जिससे सफर आरामदायक बनता है। गीता मोटर्स में कार्गो और सवारी दोनों प्रकार की गाड़ियां उपलब्ध हैं। इनमें अतुल जेमी, अतुल शक्ति डीजल कार्गो, अतुल रिक प्लस, अतुल स्मार्ट कार्गो सीएनजी और अतुल जेम जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने अपने वाहनों में 435 सीसी एयर कूल इंजन का विकल्प भी उपलब्ध कराया है। साथ ही पुली वाले साधारण इंजन में भी वाहन उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अतुल के इन वाहनों की उपलब्धता से भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम व्यापारियों को काफी फायदा मिलेगा। इच्छुक ग्राहक गीता मोटर्स, लक्ष्मी मार्केट के सामने, सुपेला रोड, भिलाई में संपर्क कर सकते हैं।

### गुरुदेव इंटरप्राइजेज का इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर पर आकर्षक ऑफर

**उतई।** पाटन रोड डुमरडीह स्थित गुरुदेव इंटरप्राइजेज फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स ने शादी सीजन के लिए विशेष ऑफर लॉन्च किया है। यहां ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बेड, सोफा, अलमारी, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, एयर कूलर और एयर कंडीशनर सहित कई उत्पादों की खरीदारी की सुविधा मिल रही है। प्रतिष्ठान में ब्रांडेड फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स की विशाल रेंज उपलब्ध है। शादी के अवसर पर ग्राहकों को विशेष छूट के साथ आधार कार्ड और पैन कार्ड के जरिए तुरंत कम डाउन पेमेंट और आसान फाइनेंस की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अलावा बजाज फिनसर्व और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के माध्यम से आसान EMI विकल्प भी प्रदान किए जा रहे हैं। प्रतिष्ठान द्वारा सीमित अवधि के लिए शुरू किए गए इस ऑफर का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद उपलब्ध कराना है।

### ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

**दुर्ग।** दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट )एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

### सिकल सेल रोकथाम के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला

**सेलूद।** विकास खंड पाटन के अंतर्गत एमआरएचआरयू झीट में सिकल सेल रोग (एससीडी) के प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आईसीएमआर-निर्थ द्वारा आयोजित की गई। खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन डा भुवनेश्वर कठौतिया ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीठ की चिकित्सा अधिकारी डॉ अर्पना वर्मा ने बताया कि सिकल सेल रोकथाम बचाव व उपचार के लिए विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का प्रमुख उद्देश्य सिकल सेल नियंत्रण करना है। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण भारती, डॉ. अरविन्द्र कुमार, डॉ. अनिल गोयल, डॉ. सुयेश श्रीवास्तव, डॉ. नेहा गुरबानी, डॉ. उपेंद्र भेलें तथा एमआरएचआरयू झीट के कर्मचारियों की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण में सिकल सेल रोग का समग्र अवलोकन, रोग की जटिलताएँ एवं रुग्णता प्रोफाइल, राज्य स्तरीय नियंत्रण रणनीतियाँ, आनुवंशिक परामर्श, परामर्श सेवाएँ, नवजात शिशु जांच एवं सहकर्मी समूह

### मंडल स्तरीय बैठक में जुटे कार्यकर्ता

**ओखरा मुरमुन्दा।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार अहिवारा विधानसभा के अंतर्गत भाजपा मंडलों की मंडलवार संघात्मक बैठक रामजी भारती जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा चेटूवा रोड में ग्राम पंचायत मुरमुंदा एवं मुरमुंदा मंडल में हुई। उक्त बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों बूथ सशक्तिकरण सदस्यता विचार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन एवं विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा, सरस्वती बंजारे अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग, जिला उपाध्यक्ष नटवरलाल ताम्रकार, जिला प्रवक्ता प्रेमलाल साहू, जिला कार्यालय मंत्री योगेंद्र सिंह, राजा शर्मा, प्रेमलाल आदि उपस्थित थे।

### राष्ट्रीय मछुआरा संघ छत्तीसगढ़ की सौजन्य भेंट व सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

रायपुर स्थित राजकीय पहुना विश्राम गृह में दुर्ग-भिलाई निषाद समाज एवं राष्ट्रीय मछुआरा संघ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष एवं भारत सरकार की पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति निषाद, भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री राज भूषण निषाद तथा उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद से सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात इंडोर स्टेडियम बूढ़ा तालाब रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय मछुआरा संघ छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा अध्यक्षों के शपथ ग्रहण एवं चिंतन समारोह के अवसर पर संपन्न हुई। भेंट के दौरान छत्तीसगढ़ में निषाद समाज की सामाजिक गतिविधियों, समाज के ज्वलंत मुद्दों, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद, राष्ट्रीय मछुआरा संघ छत्तीसगढ़ की प्रदेश अध्यक्ष गायत्री गायग्वाल, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं बीजापुर जिला अध्यक्ष कोमल देव निषाद, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष आनंद निषाद, प्रदेश संयोजक मछुआरा संघ एवं राष्ट्रीय समन्वय समिति युवा प्रकोष्ठ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष बिरेंद्र कुमार निषाद, उप संगठन सचिव देवनाथ निषाद, चरोदा परिक्षेत्र अध्यक्ष अशोक निषाद, वरिष्ठ समाजसेवी नेतराम निषाद आदि मौजूद थे।

## अंचल की खबरें

### चिंगरी में सामुदायिक निकासी नाली का भूमिपूजन

**दुर्ग।** ग्राम पंचायत चिंगरी में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत सामुदायिक जल निकासी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। सरपंच पुष्पा वाघमारे ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में मुख्य मार्गों पर जलभराव की स्थिति बनती थी। कीचड़ के कारण दैनिक गतिविधियां प्रभावित होती थीं। इस नाली निर्माण के पूर्ण होने से जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और मार्गों पर स्वच्छता बनी रहेगी। इस अवसर पर पंच लोकेश्वरी साहू, सुरेन्द्र सिरमौर, रामेश्वरी देशमुख, आशा देशमुख, डॉ. नेमलाल साहू, शिक्षक कुलेश्वर भारद्वाज, सुनील वाघमारे, सुखनंदन साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

### कुम्हारी भाजपा मंडल ने किया हवन पूजन

**कुम्हारी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कुम्हारी भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने नगर के विशाल दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 12 वर्ष का कार्यकाल बेमिसाल रहा उनके कार्यकाल में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस पूजा में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा , महामंत्री दीपक चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष फिंगेश्वर साहू, मीना वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कुम्हारी, राजू निषाद सांसद प्रतिनिधि नपाप, रामकुमार सोनी ओबीसी मोर्चा जिला सहकार्यालय मंत्री, अवधेश शुक्ला , विरेंद्र सिंह, अश्विनी देशलहरे पार्षद, उमाकांत साहू पार्षद, ओमकार मार्कण्डेय पार्षद, दिलेश्वर मार्कण्डेय, सुमित द्विवेदी, शुभम् पांडेय, अनुराग अमेरिया, बाबी श्रीवास्तव, जितेन्द्र, राजू साहू, राजकुमार सिंह, रागनी निषाद पूर्व पार्षद , जूली सिंह महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

### प्रार्थना से विकसित होती है देश भक्ति की भावना

**जामगांव आर।** ग्राम पंचायत बटरेल शासकीय माध्यमिक शाला में 10 लाख की लागत से निर्मित होने वाले प्रार्थना शेड निर्माण का भूमिपूजन कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने डॉ दयाराम साहू पूर्व विधायक, अजय कुमार साहू जनपद सदस्य पाटन और कमलेश साहू मंडल अध्यक्ष भाजपा जामगांव आर की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर कल्पना नारद साहू ने कहा कि प्रार्थना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि हमारे जीवन की शक्ति है। विद्यालयों में प्रार्थना से बच्चों में संस्कार, एकता और देशभक्ति की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर एमन आठे सरपंच, बसंत साहू उपसरपंच, रुपसिंह साहू, दूरपती साहू, रहेश कुमार, कमलेश साहू, हरदेव ठाकुर, इन्द्राणी नेताम, खिलानंद साहू, धनेश्वरी यादव, हिरकनी, विमल कुमार, ललित धनकर,भेषकुमार आठे सरपंच प्रतिनिधि,रेवाराम साहू, रमेशू साहू, सुरुज निर्मलकर,संजू साहू, महेंद्र साहू की विशेष मौजूदगी रही।

### जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूरा कराने की मांग

**अण्डा।** ग्राम पंचायत सिरसिदा में पेयजल समस्याओं के निराकरण एवं जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। बुधवार को ग्राम पंचायत सिरसिदा की सरपंच सरस्वती चंद्राकर, उपसरपंच दामिनी चंद्राकर, सचिव मोतीलाल साहू एवं समस्त पंचगणों ने जिला कलेक्टर से सौजन्य भेंट कर ग्राम की विभिन्न पेयजल समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से ग्राम में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध कराने तथा दो नए हैंडपंप स्वीकृत करने की मांग रखी। कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन द्वारा शीघ्र सकारात्मक पहल करते हुए ग्रामीणों की पेयजल समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

### भारत स्काउट्स व गाइड्स ने किया पौधारोपण

**सेलूद।** भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ जिला दुर्ग विकासखंड पाटन की ओर से पीएम श्री शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला अखरा (पाटन) में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला अखरा में समर कैंप का उद्घाटन शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष राजेश्वरी वर्मा व अन्य अतिथियों ने किया। समर कैंप में विशेष रूप से बच्चों को खेलकूद एवं योग, कला कौशल, नृत्य गीत संगीत नाटक, सेल्फी जोन, टॉय मेकिंग, शिल्पकला, माला बुके बनाना, प्रोजेक्ट कार्य बनाना सिखाया जा रहा है। इसमें भूमेश कुमार साहू, योगेंद्र बघेल, श्रवण पटेल, चंचल द्विवेदी, सरोज बघेल, रोहित ठाकुर आदि उपस्थित थे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

## खबर संक्षेप

### संदिग्ध जोड़ा पकड़ाया

**भिलाई।** शहर के एक होटल में संदिग्ध जोड़ा पकड़ाए जाने का मामला सामने आया है। छावनी पुलिस ने बताया कि होटल में एक युवक-युवती द्वारा संदिग्ध काम किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसे लेकर एसीसीयू की टीम ने दबिश देकर युवक-युवती को हिरासत में लिया है। होटल के कमरे से कई आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है। जिसमें कई युवतियों का फोटो भी शामिल है। बताया गया कि मोबाइल एप के माध्यम से युवक-युवतियां सेक्स रेकेट चलाने का काम करते हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

### 'आप' की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा योजना शुरू

**भिलाई।** आम आदमी पार्टी द्वारा जनहित में एक बड़ी पहल करते हुए भिलाई के वार्ड-10 और 29 के नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवा योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को आपातकालीन समय में तुरंत और मुफ्त स्वास्थ्य सेवा सहायता पहुंचाना है। आम आदमी पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने बताया कि अभी इस सेवा को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर भिलाई के दो वार्डों में चालू किया गया है। आने वाले समय में भिलाई के अलग-अलग वार्डों में भी यह सर्विस चालू की जाएगी। आम आदमी पार्टी की ओर से नागरिकों के लिए निःशुल्क वाहन एम्बुलेंस ऑटो सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, जो मरीजों को सीधे उनके घर से अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाएगी। यह सेवा पूरी तरह से निःशुल्क है और 24 घंटे चालू रहेगी। वार्ड 10 में वार्ड अध्यक्ष देवेंद्र और वार्ड 29 वार्ड अध्यक्ष बलविंदर स्वास्थ सेवा को देखेंगे।

## निधन

### कल्याणी देवी

**भिलाई।** रवेली वाले स्व. सीताराम दुबे एडवोकेट की पत्नी कल्याणी देवी का आकस्मिक निधन शुक्रवार को हो गया। वे तकिया पारा दुर्ग निवासी प्रमोद दुबे एडवोकेट प्रदीप दुबे की मां और रोशन, रौनक दुबे की दादी थीं। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

# मांग और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा : विजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

## पीएम स्वनिधि और सुशासन तिहार शिविर आयोजित

### लोगों को राहत देने का काम : प्रेमप्रकाश

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा है कि पी एम स्वनिधि योजना देश के उन सभी लोगों को राहत देने का कार्य कर रहा है जिनका आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रेलवे के आसपास ठेला, फल या सब्जी बेचने वाले छोटे व्यवसायी इसका फायदा ले सकते हैं।नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने शासन के इस महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दिए और नागरिकों से अपील किया कि इसका लाभ लें। इस कार्यक्रम में पार्षद विनोद सिंह, जालन्धर सिंह, वीणा चंद्राकर, गिरजा बंछोर, लक्ष्मी दीवाकर भारती, शैलजा धनराजू, प्रियंका भोला साहू, लक्ष्मी साहू, सत्या देवी जायसवाल, स्मिता दौड़के, चंदेश्वरी बांधे, नोहर वर्मा, संजय सिंह, मुकेश अग्रवाल, विनोद चेलक, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, डी के कोसरिया, जोन आयुक्त ऐशा लहरे, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, अरविंद शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, जोन अध्यक्ष जालंधर सिंह, नोडल अधिकारी अनिल कुमार सिंह तथा नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की विशेष उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सांसद विजय बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडरों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से हजारों वेंडरों को बिना किसी जटिल प्रक्रिया के कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर आत्मनिर्भर बन सकें। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि नागरिकों द्वारा शिविरों में प्रस्तुत मांग एवं शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को लाभ मिल रहा है।

### कांग्रेस व यूनियनों ने जताया आक्रोश, मेन पावर की कमी, लोड से बढ़ी समस्या

# टाउनशिप में आए दिन घंटों बिजली गुल होने से लोगों की बढ़ी चौतरफा परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

## नाइट शिफ्ट करने वाले बीएसपी कर्मियों को परेशानी व स्टूडेंट्स नहीं कर पा रहे नीट की तैयारी

भीषण गर्मी में टाउनशिप में आए दिन घंटों बिजली गुल होने से क्षेत्रवासियों को चौतरफा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीती रात बिजली की आंखमिचौली के बाद आज शुक्रवार को भी तीन सेक्टरों में दिन में चार घंटे तक बिजली गोल थी। रोज किसी न किसी सेक्टर में बिजली चली जाने से भारी गर्मी और उमस में बचैनी के साथ कामकाज भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। जन प्रतिनिधियों व यूनियनों ने टाउनशिप में गर्मी का मौसम जाते जाते भी लोगों को परेशान कर रहा है। बीएसपी के अन्य विभागों की तरह विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में मेन पावर और संसाधनों की कमी और विभाग के जिम्मेदारों की उदासीनता का खामियाज लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हर एक दो दिन में बिजली गुल हो रही है। रहवासियों ने बताया कि बिजली एक से पांच घंटे तक चली जा रही है। गुरुवार को सेक्टर 6 व सेक्र 7 के एक हिस्से में बिजली गुल रही। शुक्रवार को भी दोपहर दो बजे से देरशाम तक बिजली नहीं थी। रहवासियों ने बताया कि आए दिन घंटों बिजली गुल होने से भारी गर्मी व उमस के कारण नींद पूरी होने के साथ कई तरह के परेशानी लोगों को हो रही है। सबसे ज्यादा दिक्कत नाइट शिफ्ट करने वाले बीएसपी कर्मी को हो रही है। रहवासियो ने बताया कि लाइट नही होने से पसीने से तरबदल होने के साथ मच्छरों की समस्या भी बढ़ जा रही है।

### झाड़ियों की नहीं हुई छंटाई

यूनियनों के मुताबिक बीएसपी में मेन पावर व संसाधनों की कमी बार बार बिजली गुल होने की एक बड़ी वजह है। बिजली विभाग में गिनती के कर्मचारी बचे हैं। कई ट्रांसफार्मर पुराने हो चुके हैं। फिर गर्मी में घरों, आफिसों, बाजारों, सार्वजनिक व कर्मशियल भवनों आदि में कूलर, एसी, फीज, टीवी आदि बिजली के उपकरणों में बिजली की खपत अधिक होने से ट्रांसफार्मर ब्रस्ट होते ही घंटों बिजली गुल हो जाती है। इससे बुजुर्गों, छोटे बच्चों व स्टूडेंट्स व महिलाओं को भारी परेशानी हो रही है। रहवासियों ने बताया कि नीट आदि प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले बच्चों को अंधेरे व मच्छरों से परेशानी हो रही है। यूनियनों के मुताबिक टाउनशिप में सड़को के किनारे पेड़ों की बिजली तारों से लगी झाड़ियों की भी पूरी तरह छंटाई अब तक नही की गई है। बारिश तेज हवा से शाखाएं तारों से टकरान से स्पार्किंग होते ही बिजली गुल हो जाती है। बारिश के मौसम में यह समस्या बढ़ जाएगी। निदान के लिए बीएसपी को जल्द अभियान चलाकर झाड़ियों की छंटाई करवाना जरुरी है।

## बंद हो अघोषित बिजली कटौती, जिला कांग्रेस ने अधीक्षण यंत्री को सौंपा ज्ञापन

लगातार अनियमित बिजली कटौती से लोगों को हो रही परेशानियों को भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में सीएसईबी के अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन सौंप इस घोषित बिजली कटौती को तत्काल बंद किए जाने की मांग की। साथ ही स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्या,मीटर रीडरो के बेरोजगार होने, मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति करने आदि समस्यायों के तत्काल निदान की मांग की गई। ज्ञापन में चेतावनी भी दी गई है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो जनता के हित में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। श्री चंद्राकर ने अधिकारियों को बताया कि मानसून पूर्व संधारण कार्य के नाम पर बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित की जा रही है। मेंटेनेंस के बावजूद पहली ही बारिश में विद्युत व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है। विभाग को चाहिए कि वह संधारण कार्य को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ पूरा करे। बताया कि विद्युत वितरण कंपनी में आवश्यक स्पेयर पार्ट्स जैसे कट-आउट, इंसुलेटर, बस-बार सहित अन्य सामग्री की भारी कमी है। कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के पास विद्युत पैनल खुले होने से दुर्घटना की आशंका बढ़ रही है। श्री चंद्राकर ने बताया कि स्मार्ट मीटर प्रणाली लागू होने के बाद 5000 मीटर रीडरों के समक्ष रोजगार का गंभीर संकट पैदा हो गया है। इस अवसर पर नरसिंह नाथ, जी राजू, सीजू एंथोनी, रविंदर सिंह, भूपेंद्र यादव, मोहम्मद रफीक, दर्शन सिंह, आनंद डोंगरे आदि उपस्थित।

### पीलिया के बढ़ते मामलों के बीच राहत की उम्मीद

# सेक्टर-7 में लगेंगे 2 वाटर एटीएम और 5 नए बोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ लक्ष्मीपति राजू की पहल पर विधायक देवेंद्र यादव ने विधायक निधि से दी स्वीकृति

सेक्टर-7 क्षेत्र में दूषित पेयजल और पीलिया समेत जलजनित बीमारियों के बढ़ते मामलों के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। क्षेत्र के पार्षद और खाद्य, लोक स्वास्थ्य तथा स्वच्छता विभाग के अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू की पहल पर विधायक देवेंद्र यादव ने विधायक निधि से दो वाटर एटीएम और पांच नए बोरिंग कराने की स्वीकृति दी है।

लक्ष्मीपति राजू ने विधायक को बताया कि बीएसपी पाइपलाइन से आपूर्ति हो रहा पेयजल कई स्थानों पर दूषित और बैक्टीरिया युक्त पाया गया है। इसके कारण क्षेत्र में पीलिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। लगातार मिल रही शिकायतों और नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर को देखते हुए उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर-7 के सड़क क्रमांक 19 और सड़क क्रमांक 37 में दो आधुनिक वाटर एटीएम स्थापित करने तथा क्षेत्र में पांच नए बोरिंग कराने की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और इसके लिए आवश्यक कार्य जल्द कराए जाएंगे।

लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि सेक्टर-7 के लोग लंबे समय से स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। विधायक द्वारा त्वरित निर्णय लेने से क्षेत्रवासियों में राहत और विश्वास का माहौल बना है। उनका कहना है कि वाटर एटीएम और नए बोरिंग शुरू होने के बाद हजारों लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलेगा, जिससे पीलिया समेत जलजनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों की ओर से विधायक देवेंद्र यादव का आभार जताते हुए कहा कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर उनकी संवेदनशीलता और तत्परता सराहनीय है। इन कार्यों के पूरा होने से सेक्टर-7 के लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

# टेंडर के बाद भी लिफ्ट मशीन न होने से शहर की कई कालोनियां अंधेरे में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई नगर निगम में बिजली मेंटिनेंट का टेंडर न होने से 20 दिनों तक शहर अंधेरे में रहा। एक सप्ताह पहले फिस टेंडर हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों ने एजेंसी को लिफ्ट मशीन नहीं दी। निगम के सभी जोन की लिफ्ट मशीन खराब पड़ी हुई है। इससे शहर की कालोनियों में स्ट्रीट लाइट सुधारने का काम रुका हुआ है। लोगों को अंधेरे रास्ते से आना जाना करना पड़ रहा है। ढांचा भवन कुरूद स्थित अक्षरधाम कालोनी में पिछले एक महीने से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। पहले निगम के अधिकारियों ने टेंडर खत्म होने का बहाना बनाया। अब जब टेंडर हो गया और फिर शिकायत की गई तो लिफ्ट मशीन खराब होने का रोना रोया जा रहा है। शिकायत के बाद दो लोग बाइक में सीढ़ी लेकर बनाने के लिए पहुंचे और कहा कि सीढ़ी से खंभे की लाइट नहीं बनेगी। एजेंसी धारक प्रमोद यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट सुधारने का काम तभी हो पाएगा जब उन्हें लिफ्ट मशीन मिलेगी। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत वो निगम के अधिकारियों से कर चुके हैं। निगम आयुक्त से लेकर जोन आयुक्त तक को इसकी जानकारी है। उन्होंने कहा कि निगम की सभी जोन में लिफ्ट मशीन है, लेकिन सभी मेंटेनेंस के अभाव में खराब पड़ी हुई हैं। जब तक उन्हें मशीन नहीं मिलेगी वो मेंटिनेंस का काम नहीं कर पाएंगे। ऐसे में बड़ा सवाल ये खड़ा होता है कि जब स्ट्रीट लाइट सुधारने के लिए लिफ्ट मशीन ही नहीं है तो फिर टेंडर बढ़ाने या जारी करने का शहर की जनता को क्या लाभ होगा।

## ओए ने आरआईएनएल में दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि, निष्पक्ष जांच की मांग

**भिलाई।** ओए-बीएसपी ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल ), विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र में दुखद दुर्घटना पर शोक जताते हुए श्रद्धांजलि दी। सेफी ने हादसे की गंभीरता सेजांच के साथ सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। सेफी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने कहा कि यह दुर्घटना हम सभी के लिए पीड़ादायक और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं, बल्कि प्रत्येक कार्मिकों की सामूहिक जिम्मेदारी और कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सुरक्षा मानकों, प्रक्रियाओं एवं सावधानियों का अक्षरशः पालन करें तथा किसी भी प्रकार की असुरक्षित स्थिति या कार्यप्रणाली को तत्काल चिन्हित कर उसके निराकरण हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सेफी इस दुर्घटना की जांच कर रही सक्षम प्राधिकृत एजेंसियों पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करता है और आशा करता है कि निष्पक्ष, व्यापक एवं वस्तुनिष्ठ जांच के माध्यम से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की पहचान की जाएगी। सभा में ओए महासचिव अंकुर मिश्रा, कोषाध्यक्ष सौभाग्य रंजन साहू, उपाध्यक्ष द्वय संतोष कुमार सिंह, रेमी थॉमस, सचिव प्रहलाद मौर्या, पूर्व महासचिव परविन्दर सिंह व जोनल प्रतिनिधि एमएआर शरीफ, जी पी सोनी, एच एल सोनवानी, श्रवण कुमार शुक्ला आदि मौजूद थे।

# बरसात से पहले निगम की सख्ती, सड़कों से हटाए जा रहे अवैध बैनर और पोस्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

■ अंधड़ से राहगीरों पर गिर जाते हैं इसलिए हटा रहे

बारिश के मौसम को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर की सड़कों और प्रमुख मार्गों पर लगे अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए राजनैतिक, सामाजिक एवं निजी संस्थाओं द्वारा लगाए गए अवैध विज्ञापन बैनर-पोस्टरों को हटाकर जप्त किया जा रहा है।

आयुक्त के अनुसार मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों और विद्युत पोलों पर बड़ी संख्या में बिना अनुमति लगाए गए बैनर-पोस्टर बरसात के दौरान उखड़कर सड़क पर गिर सकते हैं, जिससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा विशेष अभियान चलाकर ऐसे सभी अवैध प्रचार-प्रसार सामग्री को हटाया जा रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर की सुंदरता और यातायात सुरक्षा को प्रभावित करने वाले अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, पोलों और अन्य शासकीय संपत्तियों पर विज्ञापन सामग्री लगाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। निगम की इस पहल से न केवल शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि बरसात के दौरान संभावित सड़क हादसों और अव्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। अभियान के दौरान हटाए गए बैनर-पोस्टरों को निगम द्वारा जप्त कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 12 साल बेमिसाल के तहत जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन

# जैविक खेती अपनाकर अपनी भूमि और जीवन दोनों को सुरक्षित रखें किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा दुर्ग और भिलाई जिला द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, अंजोरा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माया बेलचंदन एवं पदमा देवांगन आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों, मिट्टी की उर्वरता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, जैविक उत्पादों के महत्व तथा प्राकृतिक खेती के लाभों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित कृषकों ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाकर स्वस्थ मिट्टी, समृद्ध किसान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक स्तर पर उत्पादन को लेकर कुछ आशंकाएं हो सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने, भूमि की गुणवत्ता सुधारने तथा स्वास्थ्यवर्धक खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने किसानों से जैविक खेती को अपनाकर कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने का आह्वान किया। किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों की लागत कम करती है, बल्कि मिट्टी, जल और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जैविक खाद कृषि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जैविक खेती आज समय की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने किसानों को आधुनिक तकनीकों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने की सलाह दी। जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने कहा कि जब कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनेगा तभी विकसित भारत का निर्माण का संकल्प पूरा होगा। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजीत चंद्राकर ने किया।

इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, दुर्ग संभाग किसान मोर्चा प्रभारी कुलेश्वर चंद्राकर, भिलाई किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक यादव, जिला महामंत्री अजीत चंद्राकर, राजेश यादव सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# वाहन खड़ा करने पर झगड़ा पिटाई से ट्रक चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

वाहन खड़े करने को लेकर हुए विवाद मामले में ट्रक चालक की मारपीट करने से मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। कुम्हारी पुलिस ने बताया कि टोल प्लाजा कुम्हारी के पास ट्रक एचबी 38 जेड 3022 के चालक ने कटिंग से यूटर्न लेते दुर्ग-रायपुर मार्ग पर वाहन खड़ा कर दिया था। तभी हाईवा सीजी 04 एलबी 9345 ट्रक के समीप आकर रुका। वाहन खड़े करने की बात को लेकर दोनों चालकों के बीच विवाद हुआ। हाईवा चालक ने आक्रोशित होकर ट्रक चालक के साथ हाथ-मुक्का से मारपीट कर दिया। इस दौरान ट्रक चालक की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने पहले मर्ग कायम कर जांच में सीसीटीवी फुटेज और गवाहों का बयान लेने के बाद अन्य साक्ष्यों का परीक्षण भी किया। तभी हाईवा चालक द्वारा ट्रक चालक के साथ मारपीट करना प्रमाणित हुआ। जांच में तथ्यों के आधार पर यह मिला कि आरोपी ग्राम भूसरेंगा, पोस्ट बेलौदी, थाना रनचिरई जिला बालोद निवासी देव कुमार साहु को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

# हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 13 जून 2026

## लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

ज्ञान, इनोवेशन और लीडरशिप...

**लाइव इवेंट**

## साहित्यकार मौर्य को मिला राष्ट्रीय ग्रेट अशोका अवार्ड

**भिलाई।** इस्पात नगरी भिलाई के साहित्यकार एनएल मौर्य प्रीतम को जबलपुर में आयोजित एक सामाजिक सम्मेलन में राष्ट्रीय ग्रेट अशोका अवार्ड से सम्मानित किया गया। रानी दुर्गावती संग्रहालय स्थित कला वीथिका सभा हॉल जबलपुर में यह समारोह हुआ। अशोक प्रबुद्ध समृद्ध भारत मिशन फाउंडेशन भारत एवं अखिल भारतीय कुशवाहा समण खत्तीय क्षत्रिय शाक्य मौर्य काछी पाटीदार माली सैनी संयुक्त महासंघ भारत के संयुक्त तत्वावधान में देश भर के सामाजिक बंधु जुटे।

आयोजन का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं डायरेक्टर डॉ. देवा बोधी अशोक डॉ. दिनेश पटेल ने किया। कार्यक्रम में प्रथम ग्रेट अशोका अवार्ड के माध्यम से शिक्षा, समाज सेवा, साहित्य, संगठन एवं जन जागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रबुद्ध व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। साथ ही समाज प्रवर्तन 254 दिवसीय मध्यप्रदेश बाइक यात्रा प्रदर्शनी तथा प्राचीन मौर्य-बौद्ध मठ गोपालपुर लामेटाघाट, जबलपुर की विशेष प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दिनेश पटेल ने घोषणा की कि अशोक प्रबुद्ध समृद्ध भारत मिशन का संदेश मध्य प्रदेश की प्रत्येक तहसील, गांव एवं जिले तक पहुंचाने के लिए आगामी 18 माह तक व्यापक जन जागरण एवं कार्य यात्रा अभियान चलाएगा। आयोजन को प्रदेश अध्यक्ष चंद्र मोहन सिंह कुशवाहा, अंतरराष्ट्रीय संरक्षक डॉ. वीर बहादुर महतो, मुख्य अतिथि शिवपूजन कृषिवाहा और विशिष्ट अतिथि तपेंद्र शाक्य पूर्व आईएएस, लखनऊ ने भी संबोधित किया। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे सम्राट अशोक अकादमी के प्रदेश महासचिव एवं साहित्यकार एनएल मौर्य ने मानव कल्याण, सामाजिक जागरूकता एवं वैचारिक आंदोलन को निरंतर आगे बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

**लाइव इवेंट**

## सर्वोत्तम जीवन जीने के लिए रामबाण है योग, प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का मिला लाभ

भिलाई। जन-जन में स्वास्थ्य चेतना और उत्तम जीवन जीने की सरल शैली अपनाने की दृष्टि से योग निर्माण योजना शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री शक्तिपीठ खुर्सीपार भिलाई और पातंजलि योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा समिति दुर्ग की ओर से दक्षिण वसुंधरानगर भिलाई 3 के पुराना गार्डन में एक सप्ताह का योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। जिसके पांचवें दिन की शुरुआत में योग प्रशिक्षक एवं समाज सेवी साधना वर्मा ने मां गायत्री के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर धूप-दीप प्रचलित किया। वरिष्ठ सदस्य रत्ना वर्मा व शिविर संयोजक लक्ष्मण देवांगन ने योग प्रशिक्षक नरेंद्र पटेल का अबीर से स्वागत कर पीली पट्टिका भेंट कर सम्मान किया। प्रशिक्षण सत्र में कम उम्र में हृदयघात होने को मानव जगत के लिए खतरनाक बताते हुए कहा कि इसके लिए जीवन में ध्यान योग मुद्रा तथा विभिन्न योगासनों को नियमित रुप से अभ्यास करने की आवश्यकता है, ताकि स्वस्थ और सरल जीवन जीने के लिए योग रामबाण साबित हो सके। इसके लिए तितली आसान से मेरुदंड को स्वस्थ व संतुलित रखने, शरीर पर स्वयं का नियंत्रण रखने की जानकारी दी गई। सात ही बढ़ती उम्र के साथ शरीर के विभिन्न अंगों के शिथिल और निष्क्रीय होने से बचने के लिए अपने दैनिक खानपान में सावधानी बरतने और प्राणायाम, कपालभांति, वायु मुद्रा,ध्यान मुद्रा, हास्यासान जैसे योगासनों का सामुहिक क और व्यक्तिगत रुप से अभ्यास को अपनाने की जरूरतों को बताया। सत्र को विराम देने के पहले शांति पाठ सामूहिक रुप से किया गया। शिविर के संचालन में स्थानीय रुप से अनीश कुमार चंद्राकर, महेंद्र वर्मा, साधना वर्मा, रत्ना वर्मा, सुनंदा नासरे, नंदा दामले, राम कुमार वर्मा लक्ष्मी चंद्राकर सहित अन्य सदस्यों का सहयोग मिल रहा है।

● 9 से 13 तक कला मंदिर में बीएसपी की अंतरविभागीय गायन प्रतियोगिता, आज होगा फाइनल राउंड

# लघुभारत इस्पात नगरी में गूंजी इंद्रधनुषी गीतों की सुरीली धुन विभिन्न भाषा-भाषी प्रतिभागियों ने संगीत प्रेमियों को किया विभोर

इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समूह द्वारा कला मंदिर सिविक सेंटर में आयोजित सालाना अंतरविभागीय संगीत (गायन) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गैर हिंदी भाषी महिला वर्ग में प्रतिभागियों ने समां बांधा। इसके साथ ही किसी ने छत्तीसगगढ़ी तो किसी ने बांग्ला तो किसी ने ओडिशी और भोजपुरी लोकगीत से गुजिश्ता दौर की सुनहरी यादों को जगाया। आयोजन के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रतिभागियों व आयोजक के साथ सभी संगीत प्रेमियों इसे यादगार बनाया। संगीत का शौक रखने वाले बीएसपी कर्मचारियों व उनकी जीवन संगिनी प्रतिभागियों के लिए आयोजित इस संगीत उत्सव में गैर हिंदी महिला वर्ग श्रेणी में हुए दो राउंड में प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रांतीय व भाषाओं के गीतों से समां बांधा।

### बहुभाषीय सुरीले गीतों से बांधा समां

दूसरे राउंड में 16 चयनित प्रतिभागियों ने विभिन्न भाषाओं के गीतों से महफिल में जमने की भरसक कोशिश की। लोकगीतों के चयन के साथ अपने प्रतिस्पर्धी से आगे निकलने की होड़ उनकी प्रस्तुति में भी निखार दिखा। मंजीता भारद्वाज ने प्रसिद्ध लोकगायिका किस्मत बाई देवार के छत्तीसगढ़ गीत चौरा मा गोंदा से भावविभोर किया। कविता सिंग ने शारदा सिन्हा के भोजपुरी गीत कहे तोसे सजनी तो मधुस्मिता दीक्षिता ने ओडिशी गीत ए फूलो कहो थोरे से दिल में उतरने की कोशिश की। रेखा ब्राह्मणे के छग गीत और रंजीता चौहान के मराठी गीत की लोकरंगी प्रस्तुति में माटी की खुशबू एहसास हुआ। सरोज दुबे के बांग्ला गीत और रोशन साहू के छग गीत प्रस्तुति के साथ सुरों का अंदाज भी आकर्षक था। बाद मधुरिमा राय, जान्हवी दत्ता, बिपाशा हलदार आदि ने सुरीली प्रस्तुति दी। पूर्व में सांस्कृतिक समूह के समन्वयक प्रभंजय चुतर्वेदी प्रतियोगिता की रुपरेखा पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का प्रभावी संचालन विभाग के सुप्रियो सेन ने किया।

**भिलाई।** पहले चक्र में 31 प्रतिभागियों ने भूले बिसरे और गीतों से निर्णायकों के साथ श्रोताओं के दिलों में भी अलग जगह बनाने की कोशिश की। वहीं दूसरे राउंड में चयनित 16 गायिकाओं ने सुर,लय ताल और रिदम में ढलने के प्रयास में एक से बढ़कर एक मधुर प्रस्तुति दी। सभी के लोकगीतों में माटी की खुशबू के आगाज के साथ प्रस्तुति का दिलकश अंदाज भी दिखा। वहीं सधे हुई गायिकाओं से लेकर किचन सिंगर तक सभी कलाकारों की गायकी को संगीत के रेंज और पैरामीटर में ढालने और संभालने का मंझे हुए संगतकारों का आकर्षक चिरपरिचित अंदाज भी सभी को मुग्ध कर गया।

### संगतरासों ने गीतों में घोली मिठास

गीत और संगीत से सजी महफिल में गायक प्रतिभागियों को संगीत की कसौटी पर बांधे रखने के सभीसुरसाधक साजिंदे कलाकारों के संगीतमयी अनुभव ने भी सभी का फिर दिल जीता। प्रतियोगी नहीं होने के बाद भी गीतों के वैरियेशन के अनुकूल सभी के साजों की जुगलबंदी ने प्रतिभागी गायिकाओं को म्यूजिकल ट्रैक से डगमगाने नहीं दिया। संगतकार दुष्यंत हरमुख व सतीश सिन्हा ने बांसुरी व पीटी उल्लास कुमार केसियो तथा दिलीप शर्मा ने की बोर्ड पर साथ दिया। रविंद्र कर्मकार, भालचंद शेगेकर, मिलिंद राजे तबला व देवव्रत और दीपांकर दास ने आक्टोपेड, बीबी परनिया हारमोनियम बेंजो,भागवत साहू ढोलक, सरजीत चक्रवर्ती तबला और साईं चक्रवर्ती ने की बोर्ड पर मधुर संगत की। निर्णायक वरिष्ठ कलाकार उमा मित्रा,वरदा जोशी और तरुण निषाद थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ रंगकर्मी शक्तिपद चक्रवर्ती,प्रमिला देवदास, बबलू बिस्वास आदि सहित प्रतिभागियों के परिजन और कला संगीत से जुड़े लोग उपस्थित थे।

# राज्य स्तरीय मार्शल आर्ट की वुशु प्रतियोगिता में जीते स्वर्ण और रजत

**भिलाई।** राज्य स्तरीय मार्शल आर्ट की वुशु प्रतियोगिता सेंट विन्सेंट डोंगरगढ़ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई थी। छत्तीसगढ़ राज्य से लगभग हर जिले से लगभग 350 खिलाड़ियों ने शिरकत की थी। दुर्ग-भिलाई के फुल कान्टेंट में कराते प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सेक्टर 10 और सुराना कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रतियोगिता में लगभग सभी खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन समूह में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल प्राप्त किया। भिलाई के बच्चों ने भी मैडल लाकर इस्पात नगरी को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर सेक्टर 7 इस्पात क्लब में चन्ना केशवलु इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री द्वारा बच्चों को मैडल पहनाकर पुष्प गुच्छ देकर मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन कर बच्चों को आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व उनके पालक उपस्थित थे। खिलाड़ियों के मुख्य प्रशिक्षक जे पी राजू के मार्गदर्शन में प्रशिक्षक सुभाष सोनी भी उपस्थित थे। सभी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में मेडल लाने के लिए कठिन परिश्रम की शुरुआत कर दी है। इस प्रतियोगिता में अपने-अपने वजन समूह में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ी में तानिया वर्मा 28 किलोग्राम कांस्य पदक, श्रेया चौधरी 38 किलोग्राम रजत, चांदनी साहू 60 किलोग्राम रजत, अविका ठाकुर 26 किलोग्राम स्वर्ण, मुस्कान तिवारी 40 किलोग्राम रजत, विवेक पांडे 27 किलोग्राम कांस्य, वीणा देवांगन 28 किलोग्राम कांस्य, कोमल देवांगन 34 किलोग्राम कांस्य, आराध्या ताम्रकार 25 किलोग्राम रजत, अंशिका राय 35 किलोग्राम कांस्य पदक प्राप्त किया है।

# जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 जून को, 2329 पदों पर होगी भर्ती

**दुर्ग।** जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, खम्हरिया भिलाई जिला-दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 17 जून को कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक के अनुसार इस जिला स्तरीय रोजगार मेले के लिए कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग, जीएनएम, एएनएम, डिप्लोमा पैरामेडिकल एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 17 नियोजकों से 2329 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियां प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें 15 जून तक और बढ़ोतरी हो सकती है। इस भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी रोजगार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.erojgar.cg.gov.in अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप पर उपलब्ध है। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक आवेदक इसके माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है। इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आवेदक मालवीय नगर चौक स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में सीधे संपर्क कर सकते हैं।

**कार्नर न्यूज**

## राम प्यारा पारकर स्मृति सम्मान से माधुरी केवर्त सम्मानित

# आने वाली पीढ़ी रामप्यारा पारकर के व्यक्तित्व का अनुसरण कर समाजसेवा में दें अपना योगदान

**भिलाई।** लोक कला एवं साहित्य संस्था सिरजन द्वारा आयोजित सुरता पारकर 2026 के अंतर्गत रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन नेहरू नगर भिलाई स्थित निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और संत कबीर के तेलचित्र पर माल्यार्पण कर संत कबीर आरती, राजगीत और स्वागत गीत कुंजलता साहू, गीतांजलि साहू, प्रेमलता साहू और दिलेश्वरी साहू द्वारा प्रस्तुत की गई।

संस्था द्वारा प्रतिवर्षनुसार महिला उत्थान के लिए इस वर्ष रामप्यारा पारकर स्मृति सम्मान समाजसेवी माधुरी कैवर्त को सम्मानित किया गया। वे जगदलपुर में जिला अपराध एवं अनुसंधान शाखा में निरीक्षक एवं जिला प्रभारी के पद पर कार्यरत हैं।

कार्यक्रम अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व छत्तीसगढ़ प्रान्त प्रमुख बिसरा राम यादव, भाजपा प्रदेश संयोजक मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदीप कुमार कैवर्त, अध्यक्ष स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित स्मृति नगर भिलाई राजीव चौबे, ट्रस्टी कोषाध्यक्ष निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम नेहरू नगर भिलाई के पी साहू और प्रांतीय अध्यक्ष लोक कला एवं साहित्य संस्था सिरजन डॉ. दीनदयाल साहू रहे।

सभी अतिथियों ने राम प्यारा पारकर के साहित्यिक और सामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को इस व्यक्तित्व के कार्यों का अनुसरण कर समाज सेवा के लिए अपना योगदान देना चाहिए। अनेक वक्ताओं में कला परंपरा के संपादक डॉ डी पी देशमुख और समाजसेवी मुन्नी लाल निषाद ने भी अपने विचार प्रकट किए।

### बेलोदी का हाईस्कूल राम प्यारा पारकर के नाम

मुख्य अतिथि बिसरा राम यादव ने भी राम प्यारा पारकर के योगदान पर विस्तार से अपनी बात रखी। राम प्यारा पारकर के जन्मभूमि ग्राम बेलोदी के हाईस्कूल को राम प्यारा पारकर के नाम होने के लिए वर्षों से लंबित प्रक्रिया को जल्द ही स्कूल का नाम रामप्यारा पारकर के नाम होने की घोषणा की।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से निषाद समाज के पदाधिकारी, अनेक साहित्यिक संस्थाओं के साहित्यकार, निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम के महिला पदाधिकारी, ट्रस्टी, प्रबंधन समिति के सदस्य और बुध्दिजीवी कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दिए। कार्यक्रम का संचालन जागृति सार्वा तथा आभार प्रदर्शन लोक कला एवं साहित्य संस्था दुर्ग जिला इकाई के अध्यक्ष लालजी साहू ने किया।

## सिटी इवेंट

# खेलकूद व अन्य विधाओं में सभी समाज के प्रतिभावान 14 को होंगे सम्मानित

**भिलाई।** अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पण्डवानी के पितामह झाड़ू राम देवांगन की स्मृति में 14 जून को शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले सभी समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन बैकुंठ धाम केम्प 2 भिलाई में सुबह साढ़े 10 बजे से दुर्ग जिला देवांगन समाज द्वारा अयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि दुर्ग सासंद विजय बघेल, प्रेमचंद देवांगन जिला संयोजक विधि प्रवक्ता भाजपा, विधायक ललित चंद्राकर, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा विधायक अहिवारा, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, भोज राम देवांगन उपाध्यक्ष छ. ग. राज्य हथकरघा विकास, महेश देवांगन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोष्टा-कोष्टी समाज, पुरूषोत्तम देवांगन जिला अध्यक्ष बीजेपी भिलाई, कुलेश्वरी देवांगन अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग, डॉ. ओम प्रकाश देवांगन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका निगम बिरगांव, धनुक लाल देवांगन संरक्षक दुर्ग जिला देवांगन समाज और कुंजबिहारी देवांगन श्रद्धेय झाड़राम देवांगन के सुपुत्र उपस्थित होंगे। बच्चों के मार्गदर्शन और उत्साह वर्धन के लिए हर्षित मेहर सीएसपी दुर्ग शहर और अरविंद मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जिला अध्यक्ष पुरानिक राम देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ-साथ राज्य स्तरीय खेल कूद, विविध कला, और अन्य विधाओं में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले सभी समाज की प्रतिभाओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे मां परमेश्वरी की पूजा आरती से होगी, 11 बजे पंडवानी कलाकार झाड़राम देवांगन के शिष्य चेतन देवांगन का पंडवानी गायन होगा। दोपहर 12 बजे से अतिथि आगमन, उद्बोधन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। दुर्ग जिला देवांगन समाज द्वारा विद्यार्थियों और उनके अभिभावक तथा सामाजिक जनो की अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने को कहा है।

- कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन बैकुंठ धाम केम्प 2 भिलाई में

## सिटी लाइव

# स्व. शुक्ल ने छग को दी नई पहचान, पुण्यतिथि पर किया याद

**दुर्ग।** जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को स्मरण किया। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि पंडित विद्या चरण शुक्ल का जीवन जनसेवा, विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से थे और उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। रेल, हवाई सेवा, सिंचाई, सड़क, दूरसंचार, उद्योग तथा दूरदर्शन जैसी सुविधाओं के विस्तार में उनका योगदान अविस्मरणीय है।श्री बाकलीवाल ने कहा कि पंडित शुक्ल जी नौ बार सांसद चुने गए तथा उन्होंने जवाहरलाल नेहरू इंदिरा गांधी चंद्रशेखर एवं ब नरसिम्हा राव की सरकारों में केंद्रीय मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वे कांग्रेस की विचारधारा के सशक्त स्तंभ थे और जनहित के मुद्दों के लिए सदैव संघर्षरत रहे। झीरम घाटी हमला में गंभीर रूप से घायल होने के बाद 11 जून 2013 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके आदर्श, विचार और विकास की सोच आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं प्रदेशवासियों को प्रेरित करती है।इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने पंडित विद्या चरण शुक्ल के बताए मार्ग पर चलने तथा लोकतंत्र, सामाजिक न्याय एवं जनसेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में धीरज बाकलीवाल, अलताफ अहमद, आनंद देव ताम्रकार, प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, नासिर खोखर, कल्याण सिंह ठाकुर, दुष्यंत देवांगन, अंश चतुर्वेदी, आयुष शर्मा, देव सिन्हा, अनिल राव, अली असग,र एनी पीटर सहित अन्य जन उपस्थित थे।

## सिटी इवेंट

# सत्संग चेतना महोत्सव में गूंजेगा वैदिक ज्ञान-विज्ञान का संदेश

**भिलाई।** वैदिक संस्कृति के पुनर्जागरण तनावमुक्त जीवन शैली के प्रचार तथा समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य से वैदिक चेतना महोत्सव का आयोजन 15 जून को शाम 5 बजे से 7 बजे तक स्वर्ण क्लब हाउस, पश्चिमा हॉल (प्रथम तल), स्वर्ण भूमि, रायपुर में वैदिक सत्संग समिति एवं भारतीय योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में अंतरराष्ट्रीय वेद कथाकार आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री उपस्थित रहेंगे। जिसमें दुर्ग-भिलाई से भी काफी संख्या में सत्संग प्रेमी शामिल होंगे। आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री विगत कई दशकों से भारत सहित विभिन्न देशों में वैदिक धर्म, ऋषि दयानंद सरस्वती के सार्वभौमिक संदेश तथा वैदिक जीवन-पद्धति का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने वैदिक चिंतन, सामाजिक जागरण, संस्कार निर्माण एवं आध्यात्मिक उन्नयन से संबंधित 50 से अधिक महत्वपूर्ण पुस्तकों की रचना की है। देश के कोने-कोने में आयोजित उनके व्याख्यानों एवं वेद कथाओं के माध्यम से हजारों लोग तनावमुक्त जीवन, सकारात्मक चिंतन और वैदिक ज्ञान-विज्ञान की ओर प्रेरित हुए हैं। वे आधुनिक जीवन की चुनौतियों के समाधान वैदिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। कार्यक्रम में भिलाई के आचार्य डॉ. अजय आर्य युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों में नैतिक मूल्यों, कर्तव्यबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में संबोधित करेंगे। वेदिक चेतना महोत्सव में रायपुर, दुर्ग, भिलाई, महासमुंद सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से विशिष्ट नागरिकों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं वैदिक विचारधारा से जुड़े प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया है।

● युवा संगम के प्रतिनिधि सांस्कृतिक समझ, राष्ट्रीय एकता बनाने अनोखे मंच के तौर पर कर रहा काम

# ज्ञान, इनोवेशन और लीडरशिप जरिए देश के विकास में युवा दें योगदान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री से लिया मार्गदर्शन

**भिलाई।** भिलाई आईआईटी में आयोजित युवा संगम फेज-6 के तहत छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाक़ात की। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की एक प्रमुख पहल थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान से बातचीत करने का मौक़ा मिला। इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से आईआईटी भिलाई और आईआईटी दिल्ली ने किया था, ताकि देश के अलग-अलग हिस्सों के युवाओं को एक साथ लाकर सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता और आपसी सीख को बढ़ावा दिया जा सके। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें ज्ञान, इनोवेशन और लीडरशिप के ज़रिए देश के विकास में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी भी शामिल हुए।

### अरपा पैरी के धार की दिल्ली में प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान, छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने शानदार छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य और राज्य के गीत अरपा पैरी के धार की भावपूर्ण प्रस्तुति के ज़रिए राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दिखाया। इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने बहुत तारीफ़ की।

### विरासत पर साझा किया अनुभव

इस बातचीत के सत्र ने दिल्ली और छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को अपनी-अपनी यात्राओं के अनुभव साझा करने का मंच दिया। दिल्ली के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की अपनी यात्रा को खुशी-खुशी याद किया और राजभवन, भोरमदेव मंदिर, सिरपुर, राजिम, भिलाई स्टील प्लांट और सांस्कृतिक व ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण अन्य जगहों पर अपने अनुभवों का ज़िक्र किया। उन्होंने राज्य की समृद्ध विरासत, मेहमाननवाजी और विकास की उपलब्धियों की सराहना की।

### राष्ट्रपति संग्रहालय, दिल्ली हॉट का किया दौरा

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने दिल्ली यात्रा के दौरान अपने बेहतरीन अनुभवों को साझा किया। इन अनुभवों में दिल्ली के उप-राज्यपाल के कार्यालय में बातचीत और राष्ट्रपति संग्रहालय, इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, अक्षरधाम मंदिर, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और दिल्ली हाट का दौरा शामिल था। प्रतिनिधियों ने मशहूर भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर और कई अन्य प्रेरणादायक हस्तियों के साथ हुई बातचीत का भी ज़िक्र किया, जिससे उनकी यह यात्रा सीखने के लिहाज़ से यादगार बन गई।

### केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने जॉब क्रिएटर बनने किया प्रोत्साहित

युवा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन्हें नौकरी खोजने वाले के बजाय नौकरी देने वाला (जॉब क्रिएटर) बनने के लिए प्रोत्साहित किया और उद्यमिता, इनोवेशन और नेतृत्व के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने युवाओं से उद्यमिता कौशल विकसित करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों का लाभ उठाने और ऐसे उत्पाद व सेवाएँ बनाने का आग्रह किया जो न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के काम आ सकें। उन्होंने इनोवेशन, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी के ज़रिए राष्ट्र-निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

### प्रेरणादायक संदेश के साथ समापन

युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश के साथ समाप्त हुई। इसमें वे अपनी क्षमता को पहचानें, इनोवेशन को अपनाएँ और ज्ञान, तकनीक व टिकाऊ विकास के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनने की भारत की यात्रा में सार्थक योगदान दें। इस कार्यक्रम में आईआईटी दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर (ऑपरेशन्स) प्रो. अरविंद के. नेमा; भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग में डिप्टी सेक्रेटरी श्रेयांश मोहन; एआईसीटीई के रेगुलेशन ब्यूरो के डायरेक्टर नरेश कुमार ग्रोवर; भारत सरकार के शिक्षा मंत्री के सलाहकार सुरेंद्र नाइक; आईआईटी दिल्ली की प्रो. यामा दीक्षित; आईआईटी भिलाई के नोडल ऑफिसर डॉ. कृष्ण मुरारी; और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल से जुड़े अन्य अधिकारी शामिल हुए।

## विश्व रक्तदान दिवस

# मानवता के लिए रक्तदाताओं ने किया 29 यूनिट डोनेट, लोगों को किया प्रेरित

**भिलाई।** विश्व रक्तदाता दिवस पर बीएसपी के चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र जेएलएनएच एंड आरसी के ब्लड सेंटर द्वारा मानवता की एक बूंद रक्तदान, जीवनदान थीम के साथ दो दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पहले दिन अस्पताल कर्मियों और स्वैच्छिक रक्तदाताओं से 29 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का उदघाटन बीएसपी के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर तथा डॉ. उदय कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने मानव रक्त समूहों की खोज करने वाले वैज्ञानिक डॉ. कार्ल लैंडस्टाइनर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को जीवन रक्षक योगदान के लिए ट्रॉफी एवं पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। गैर-सरकारी संस्थाओं एनजीओ को भी स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा कांगो, डॉ. निली एस. कुजूर, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. प्रिया साहू,डॉ. दीपक कुमार दासमहापात्र तथा डॉ. प्रतीक शिवप्पा,उप प्रबंधक श्री राजीव शर्मा, सहायक प्रबंधक रीता भटनागर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्टाफ नर्स शैल कुमारी सिंह ने किया। इस अवसर पर शाजी, सुधीर कुमार पाण्डेय, अजय कुमार आर्य तथा जूनियर मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट संदीप कुमार पाण्डेय, मीनाक्षी चरण, कुलदीपक तिवारी और जितेन्द्र कुमार आदि भी उपस्थित थे।

## ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन

# योगा फॉर हेल्दी ऐजिंग थीम पर विशेष ऑनलाइन योग सत्र 14 को

**दुर्ग।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा योगा फॉर हेल्दि ऐजिंग थीम के अंतर्गत 14 जून को सुबह 6.15 से 7.35 बजे तक एक विशेष ऑनलाईन योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से एक साथ सर्वाधिक लोगों की ऑनलाईन योग सहभागिता का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड सत्यापित करने का प्रयास किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार इस ऐतिहासिक पहल में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, समाजिक संगठनों, योग साधकों तथा आम नागरिकों से बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की गई है। कार्यकम में सहभागिता के लिए इच्छुक व्यक्तियों को टोल फ्री नं. 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन कराना होगा। पंजीयन उपरांत प्रतिभागियों को व्हाट्सऐप के माध्यम से कार्यक्रम का लिंक प्राप्त होगा। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड के लिए प्रत्येक प्रतिभागी का अपने व्यक्तिगत मोबाईल, लेपटॉप अथवा डिजिटल उपकरण से अलग-अलग लॉगिन करना आवश्यक होगा। आयुष मंत्रालय द्वारा योग संगम पोर्टल 2026 भी प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थाएं एवं संगठन

21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों के लिए पंजीयन कर सकते है तथा आयोजन उपरांत कार्यक्रम का विवरण एवं फोटोग्राफ अपलोड कर सकते है। यह आयोजन योग के माध्यम से स्वस्थ्य जीवनशैली को बढ़ावा देने, जनजागरूकता विकसित करने तथा भारत की योग परम्परा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तारतम्य में आयुष विभाग जिला दुर्ग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ हो चुका है जिसके तहत समस्त शासकीय, गैर शासकीय संस्था एवं विभिन्न समुदायों में योग प्रशिक्षकों द्वारा योग के बाह्य सत्र का आयोजन प्रारंभ कर योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जा रहा है। साथ ही सभी संस्थाएं जहां योग का आयोजन हो रहा है उन्हे योग संगम पोर्टल में पंजीयन करवाया जा रहा है। विभाग के द्वारा कुल 78 बाह्य सत्र का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही 17 जून से 21 जून तक 5 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जायेगा।

## जल, जमीन, जंगल बचाओ विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता

# जल-जमीन-जंगल बचाओ पर चित्रकारी कर सैकड़ों बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्नर न्यूज

**भिलाई।** अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था के बैनर तले जल-जमीन-जंगल बचाओ विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में सैकड़ों बच्चों ने कैनवास के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया कि जल ही जीवन है, जमीन बचाओ ताकि वर्षा का जल भीतर जा सके और पेड़ हमारी जीवन शैली का आधार हैं।संस्था की अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता शानू मोहनन ने बताया कि बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर भविष्य के लिए तैयार करने के लिए यह आयोजन पिछले 17वां सालों से लगातार किया जा रहा है। प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया कि पर्यावरण संरक्षण केवल मानव के लिए नहीं, बल्कि पशु-पक्षी और जीव-जंतुओं के लिए भी आवश्यक है।

### प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

ड्राइंग प्रतियोगिता में प्राइमरी श्रेणी प्रथम तिथि ठावकर, द्वितीय वान्या शुक्ला, तृतीय प्रिषा साहनी और सांत्वना पुरस्कार युक्ता साहनी को मिला। मिडिल श्रेणी में प्रथम हर्षिता साहू, द्वितीय हेजल साहू, तृतीय लक्ष्य चंद्राकर और आयुष कुमार गुप्ता, हाईस्कूल श्रेणी में प्रथम आद्या मिश्रा, द्वितीय शिविका शर्मा, तृतीय अशफिया खान विजेता रहे। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र और मैडल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रुआबांधा की पार्षद शीला नारखेडे, संस्था के सदस्य सागरिका पाढी, अभिलाषा मिश्रा, उमा नायर, क्रिश यादव, शिव यादव, पुष्पा सहित अन्य सदस्याएं विशेष रुप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की संयोजिका अभिलाषा ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण ड्राइंग कॉम्पिटिशन में बच्चों का सुबह 5.30 बजे से उपस्थित होना सराहनीय प्रयास रहा और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

## किचन केयर

### किचन प्लेटफॉर्म पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आजमाएं टिप्स

आप कुछ फ्राई कर रही हों या फिर तड़का लगा रही हों, तेल के दागों से सबसे ज्यादा गंदा होता है स्लैब या प्लेटफॉर्म। मगर आप बहुत आसानी से किचन प्लेटफॉर्म को आसानी से साफ कर सकती हैं।

#### बर्फ और नमक करेगा सफाई

जले हुए या पके हुए तेल के निशान पर अगर आप सीधे क्लीनर डालते हैं तो वो कभी-कभी गहरे निशान छोड़ देता है। ऐसे में पहले बर्फ से उस हिस्से को ठंडा करें, जिससे तेल सख्त हो जाए और फिर नमक से उसे स्क्रब करें।

**क्या करें:** इसके लिए पहले प्लेटफॉर्म को एक बार कपड़े से साफ करें। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर बर्फ के टुकड़े दाग पर कुछ सेकंड रगड़ें। फिर मोटा नमक डालकर थोड़ी देर रगड़ें। ये तेल को हटाने में मदद करेगा। इसके बाद डिश सोप से प्लेटफॉर्म को साफ कर लें।

#### मसालों के दाग

**चाय की पत्ती और डिश सोप से होगी बेहतर सफाई:** बची हुई चाय की पत्ती इस बार फेंकें नहीं, बल्कि उससे प्लेटफॉर्म को साफ कर लें। इसके साथ आप डिश सोप से चिकनाई को हटा सकेंगी।

#### कैसे करें इस्तेमाल

पत्तियों को सुखाकर हल्का गीला करें।

उसमें कुछ बूंदें डिश सोप मिलाएं।अब इस मिक्सचर को सीधे दाग वाली जगह पर रगड़ें।सर्कुलर मोशन में स्क्रब करें। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर गीला कपड़ा लगाएं फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। यह तरीका खासतौर पर ग्रेनाइट पत्थर पर प्लेटफॉर्म पर अच्छा काम करता है।

#### राख और नींबू का देसी उपाय

पहले के समय में बर्तन मांजने के लिए लोग राख का इस्तेमाल करते थे। उसी तरह यह किचन प्लेटफॉर्म की सफाई में भी मदद करता है। आप इसके साथ-साथ नींबू की मदद भी ले सकती हैं।

**कैसे करें इस्तेमाल:** थोड़ी-सी सूखी लकड़ी की राख लें। उसमें नींबू का रस मिलाएं। अब नींबू का छिलके पर यह मिश्रण लगाकर दाग पर रगड़ें और कुछ मिनट छोड़ दें। फिर गीले कपड़े से पोंछ दें। यह तरीका खासतौर पर पुराने दागों पर कारगर होता है।

#### एल्युमिनियम फॉइल और डिशवॉशिंग लिक्विड आएगा काम

क्या आपको पता है कि एल्युमिनियम फॉइल कितनी अच्छी तरह से आपके सफाई के काम को आसान बना सकती है। इसके लिए आपको ज्यादा सामग्री की आवश्यकता भी नहीं होगी।

**कैसे करें:** एक टुकड़ा एल्युमिनियम फॉइल पेपर लें और उसे क्रश करके बॉल बना लें। प्लेटफॉर्म को थोड़ा-सा गीला करें और फिर उसमें फॉइल की बॉल को रगड़ लें। अब प्लेटफॉर्म पर डिश लिक्विड लगाएं और फिर पेपर से दाग को मिटाने की कोशिश करें। इसके बाद एक बार गीले कपड़े से और फिर साफ कपड़े से पोंछ दें।

#### कॉर्नस्टार्च से करें किचन प्लेटफॉर्म की सफाई

बेकिंग सोडा की तरह कॉर्नस्टार्च भी सफाई के काम आ सकता है। यह ग्रेनाइट के पत्थर पर बड़ी अच्छी तरह काम करता है।

**क्या करें:** आप सबसे पहले कॉर्नस्टार्च के साथ पानी का मिक्सचर बनाएं। इस पेस्ट में ज्यादा पानी न डालें। इसे दाग लगे हुए प्लेटफॉर्म पर फैला लें और चिकनाई सोखने तक इंतजार करें। इसके बाद इसके ऊपर डिश सोप का पानी छिड़कर स्टील के स्क्रब से साफ करें।

### डायटीशियन ने बताए इंसुलिन रेजिस्टेंस से निपटने के सबसे असरदार तरीके

# दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या, देश में 'साइलेंट एपिडेमिक' का रूप ले रही

इंसुलिन रेजिस्टेंस केवल ब्लड शुगर की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करने वाली स्थिति है। आपको जरूर जानना चाहिए कि इससे क्या दिक्कतें होती हैं और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कैसे सुधारा जा सकता है

इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है, भारत भी इससे काफी प्रभावित है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में ये एक 'साइलेंट एपिडेमिक' की तरह बढ़ती जा रही है। अनुमानित तौर पर भारत में हर 4 में से 1 वयस्क इंसुलिन रेजिस्टेंस का शिकार है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन हार्मोन के प्रति ठीक से प्रतिक्रिया नहीं कर पाती हैं। इससे भोजन से प्राप्त ग्लूकोज ऊर्जा में बदलने के बजाय खून में ही बढ़ने लगता है। ब्लड शुगर का स्तर हाई होने के कारण डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल-खानपान की आदतें गड़बड़ होती जा रही हैं, बैठकर काम करना बढ़ गया है वहीं शारीरिक गतिविधियां कम होती जा रही हैं, इन सभी का असर सीधे तौर पर सेहत पर पड़ता है। ये इंसुलिन रेजिस्टेंस का

खतरा भी बढ़ा देती है। अच्छी बात ये है कि खान-पान और लाइफस्टाइल में अगर सुधार कर लिया जाए तो इसके खतरों को काफी कम किया जा सकता है।

#### इंसुलिन रेजिस्टेंस और इसके कारण होने वाली समस्याएं

इंसुलिन रेजिस्टेंस को आमतौर पर हम केवल ब्लड शुगर की समस्या मानते रहते हैं, हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमारे पूरे मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करने वाली स्थिति हो सकती है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस के शिकार लोगों को लगातार थकान, पेट की चर्बी बढ़ने, मीठा खाने की ज्यादा इच्छा होना और वजन से संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। डायटीशियन नमृता सिंह कहती हैं, सही खानपान, नियमित व्यायाम, बेहतर नींद और वजन को कंट्रोल करने जैसे उपाय इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मददगार हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे लोगों को क्या उपाय करते रहना चाहिए?

#### हरे पत्तेदार सब्जियां जरूर खाएं

पत्तेदार हरी सब्जियां इंसुलिन रेजिस्टेंस को नियंत्रित करने में अत्यधिक प्रभावी मानी जाती हैं। इनमें कार्बोहाइड्रेट कम होता है, जबकि ये फाइबर और मैग्नीशियम से भरपूर होती हैं, जो इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाती हैं।

पालक मैग्नीशियम से भरपूर होता है जो ग्लूकोज के मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करता है और इंसुलिन सिग्नलिंग को बेहतर बनाता है। इसी तरह मेथी के पत्तों में घुलनशील फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो शुगर के अवशोषण की गति को काफी धीमा कर देता है।

#### फाइबर और प्रोटीन वाली युक्त चीजें ज्यादा खाएं

घुलनशील फाइबर ब्लड शुगर के अवशोषण को

धीमा करता है और इंसुलिन की जरूरतों को कम कर सकता है। ओट्स, दालें, बीन्स, चिया सीड्स, फल और सब्जियां इसके अच्छे स्रोत हैं। इसके अलावा फाइबर वाली चीजें पेट को लंबे समय तक भरा रखने में भी सहायक हैं, जिससे ओवरईटिंग कम होती है और वजन को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। इसी तरह प्रोटीन वाली चीजें भूख को नियंत्रित करने और मांसपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती हैं। स्वस्थ मांसपेशियां ग्लूकोज के बेहतर उपयोग में सहायक मानी जाती हैं।

#### रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट कम खाएं

व्हाइट ब्रेड, मैदा, मीठे पेय और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ जैसी रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाती हैं। इससे इंसुलिन का स्तर भी तेजी से बढ़ सकता है। इनकी जगह साबुत अनाज, ब्राउन राइस, जौ, बाजरा और ओट्स जैसे कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ बेहतर विकल्प माने जाते हैं।

# सीसीपीएल में बिलासपुर बुल्स की टीम पहुंची फायनल में, बस्तर बायसंस की 7 विकेट से हार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सी.सी.पी.एल.) के तृतीय संस्करण का आयोजन 03 जून से 14 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में जारी है।

12 जून शुक्रवार को पहला सेमी फायनल मैच बस्तर बायसंस तथा बिलासपुर बुल्स के मध्य खेला गया। बिलासपुर बुल्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बस्तर बायसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 18.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर केवल 112 रन बनाये। बस्तर बायसंस की शुरुआत काफी खराब रही, उनके प्रारंभिक बल्लेबाज 17 रन पर पवेलियन लौट गये। उसके बाद निरंतर अंतराल में विकेट गिरते रहे। बस्तर बायसंस की ओर से अब्दुल अनस खान ने 29 रन तथा अमय मोरे ने 19 रन बनाये। बिलासपुर बुल्स की ओर से रुद्र प्रताप देहारी तथा मोहित राउत ने 3-3 विकेट प्राप्त किये, जिसमें मोहित राउत की शानदार हैट्रिक भी सम्मिलित है। केवल 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स रने 15.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 113 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया एवं फायनल में प्रवेश किया। बिलासपुर बुल्स की ओर से विकल्प तिवारी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 53 रन नाबाद बनाये। उनके अतिरिक्त अभिजीत ताह ने 22 रन तथा आयुष पांडेय ने 21 रनों का योगदान दिया। बस्तर बायसंस की ओर से देव आदित्य सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किया। बिलासपुर बुल्स ने 7 विकेट से मैच जीत लिया एवं फायनल में प्रवेश किया। बिलासपुर बुल्स ने सीसीपीएल इतिहास में दूसरी बार फायनल में प्रवेश किया। मोहित राउत प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

खुशियां मनाती बिलासपुर बुल्स की टीम

विकल्प तिवारी 53 रन

मोहित राउत प्लेयर ऑफ द मैच

### पावर लिफ्टिंग में जुटे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी

**रायपुर।** रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एवं छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में सुन्दर नगर स्थित कुर्मी छात्रावास भवन में प्रतियोगिता रखी गई। मुख्य अतिथि जोन अध्यक्ष 5 नगर निगम के अम्बर अग्रवाल और विशेष अतिथि ब्राम्हण पारा वार्ड के पार्षद अजय साहू ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक रुद्र नारायण ओडिशा, अशोक जामवाल जम्मू एंड कश्मीर, रमन शर्मा, वेस्ट बंगाल से अनूप यदु, अनिरबन नंदी और झारखंड से कन्हैया कुमार सिंह थे। प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम और मणिपुर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 53,59,66,74 वजन के खिलाडियों ने भाग लिया।

## करियर को नई उड़ान देने एआई से जुड़े कोर्स पर दीजिए ध्यान

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। एआई में करियर बनाने के लिए, आपको मैथ और प्रोग्रामिंग की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपके पास ये स्किल्स नहीं हैं, तो आप उन्हें ऑनलाइन पाठ्यक्रम या बूट कैंप के माध्यम से सीख सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसी मशीनें बनाने का 3 विज्ञान है, जो इंसानों की तरह सोच सकती हैं और स्मार्ट वर्क कर सकती हैं, जिसका आधुनिक समय में वेब सर्च इंजन, गूगल सर्च, रोबोटिक्स, यूट्यूब, नेटफ्लिक्स, सेल्फ-ड्राइविंग कार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। यह टेक्नोलॉजी मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, डीप लर्निंग जैसे खास तकनीकों के आधार पर काम करती है।

#### बारहवीं के बाद करें

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर

बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। इसके बाद आप चार वर्षीय बीटेक इंजीनियरिंग कर सकते हैं। बीटेक में दाखिला के लिए आईआईटी-जेईई की परीक्षा आयोजित करायी जाती है। वैसे इस डोमेन में प्रवेश के लिए आप बीएससी कोर्स भी कर सकते हैं। एआई के क्षेत्र में विशेषज्ञता पाने के लिए आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट या एमटेक कोर्स भी कर सकते हैं। एमटेक के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग यानी गेट के द्वारा अच्छे कॉलेज में प्रवेश मिलता है।

#### प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की समझ

एआई के डोमेन में करियर बनाने के लिए आपको प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डाटा साइंस के ज्ञान के साथ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के रूप में पाइथन, जावा और सी++ का ज्ञान जरूरी है। लीनियर अलजेब्रा, प्रोबेबिलिटी और स्टेटिस्टिक्स का ज्ञान उतना ही जरूरी है। मशीन लर्निंग अल्गोरिथम, न्यूट्रल नेटवर्क के साथ स्पार्क और अन्य बड़े डाटा टेक्नोलॉजी के रूप में हडूप, कसेन्ड्रा, मोंगो डीबी जैसे ओपन सोर्स डेटाबेस का ज्ञान भी जरूरी है। नुमपी एल्गोरिदम, अपाचे स्पार्क, टेन्सर फ्लो जैसे आधुनिक फ्रेमवर्क की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

#### एआई के ट्रेंडिंग कोर्स

आप आईआईटी, मद्रास से एडवांस सर्टिफिकेशन इन डाटा साइंस एंड एआई, आईआईएम, कोलकाता से एआई इन मैन्युफैक्चरिंग, आईआईआईटी, हैदराबाद से एआई और मशीन लर्निंग में पीजी लेवल का सर्टिफिकेट कोर्स आदि कोर्स कई शैक्षणिक संस्थानों से कर सकते हैं। एआई के लिए ये हैं 5 कोर्स - फाउंडेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, पीजी प्रोग्राम इन मशीन लर्निंग एंड एआई,पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डीप लर्निंग,फुल स्टैक मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग।

## कार्नर न्यूज

### जानें कौन-सी चीजें लेना सही होगा आपके लिए

# ऑनलाइन सेल में आप कौन सा गैजेट्स ले रहें हैं यह पहले अच्छी तरह जान लें, नहीं तो सौदा पड़ सकता है भारी

ऑनलाइन सेल बेशक खरीदारी के लिए बेहतरीन मौका होता है, लेकिन लालच में आकर ऐसी चीजें खरीदने की गलती तो बिल्कुल नहीं करनी चाहिए, जो बाद में पछतावे का कारण बन जाए। इनमें कुछ गैजेट्स शामिल हैं, जिन्हें सेल के दौरान तो बिल्कुल भी नहीं खरीदनी चाहिए। आइए इस आर्टिकल में उन सामानों के बारे में जान लेते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग सेल का क्रेज आजकल हर किसी पर छाया हुआ है। इन आकर्षक डील्स और भारी छूट के चलते कई बार महिलाएं ऐसी चीजें भी खरीद लेती हैं, जिनकी शायद उतनी जरूरत नहीं होती है। कई बार सेल में फायदे की बजाय नुकसान का सौदा भी हो जाता है। खासकर जब बात गैजेट्स की हो, तो ऑनलाइन सेल की चकाचौंध में कई बार खरीदारी में गलती हो जाती है, जो बाद में महंगी पड़ सकती है। उन गैजेट्स के बारे में आपको जानना चाहिए जिन्हें ऑनलाइन सेल में खरीदने से पहले आपको सोचने की जरूरत है, बिना सोचे-समझे बस डिस्काउंट देखकर खरीदने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। ऑनलाइन सेल

में आपको कौन सी वो चीजें नहीं खरीदनी चाहिए, यह जरूर जानिए।

#### बहुत सस्ते या फेक स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड्स

ऑनलाइन सेल में अक्सर आपको बहुत कम कीमत पर स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड्स के ढेर सारे विकल्प मिल जाते हैं। इनमें से कई ऐसे होते हैं जो किसी अज्ञात ब्रांड के होते हैं या फिर चाइनीज रीब्रांडेड प्रोडक्ट होते हैं। ये दिखने में तो महंगे स्मार्टवॉच जैसे लगते हैं, लेकिन इनकी क्वालिटी, बैटरी लाइफ और परफॉर्मेंस बेहद खराब होती है। इनमें सही सेंसर नहीं होते, जिससे आपकी स्वास्थ्य संबंधी रीडिंग गलत आ सकती हैं। इसके अलावा, कई बार ये आपके स्मार्टफोन से ठीक से कनेक्ट नहीं हो पाते या कनेक्टिविटी इश्यूज आते रहते हैं। कुछ समय बाद ये खराब हो जाते हैं और इन्हें रिपेयर कराना भी मुश्किल होता है। हमेशा किसी भरोसेमंद ब्रांड के स्मार्टवॉच या फिटनेस बैंड ही खरीदें। रिव्यूज को ध्यान से पढ़ें और सुनिश्चित करें कि वह असली प्रोडक्ट है।

#### अनब्रांडेड या बहुत सस्ते पावर बैंक

आजकल स्मार्टफोन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ पावर बैंक एक जरूरी गैजेट बन गया है। ऑनलाइन सेल में आपको 500-700 रुपये में भी 20,000mAh के पावर बैंक मिल जाते हैं। ऐसे सस्ते और अनब्रांडेड पावर बैंक में अक्सर कम गुणवत्ता वाली बैटरी सेल्स का इस्तेमाल किया जाता है। इनकी कैपेसिटी उतनी नहीं होती जितनी बताई जाती है, और ये बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ये पावर बैंक ओवरचार्जिंग, शॉर्ट-सर्किट या हीटिंग के कारण आग लगने या फटने का

जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिससे आपके फोन को भी नुकसान हो सकता है। हमेशा ब्रांड वाले पावर बैंक ही चुनें। साथ ही, हमेशा बीआईएस प्रमाणित पावर बैंक खरीदें।

वायरलेस ईयरबड्स का चलन तेजी से बढ़ा है, और ऑनलाइन सेल में इन पर भारी छूट देखने को मिलती है। कई बार आपको 500-1000 रुपये में भी वायरलेस ईयरबड्स मिल जाते हैं। सस्ते ईयरबड्स में अक्सर घटिया क्वालिटी के ड्राइवर होते हैं।

## फिल्म इवेंट

### हॉलीवुड

## टॉम हैंक्स ने द्वितीय विश्व युद्ध को लेकर की बात, कहा- मैं इस बारे में सोच रहा हूं

हॉलीवुड स्टार टॉम हैंक्स का द्वितीय विश्वयुद्ध से गहरा नाता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक घटना पर आधारित कई ऑस्कर विजेता फिल्मों और लोकप्रिय टीवी सीरीज में

एक्टिंग, निर्माण और निर्देशन किया है। उनका मानना है कि वो इस बात से जूझ रहे हैं कि वो द्वितीय विश्व युद्ध से कविता, सुकून और ज्ञान क्यों पाते हैं?

अभिनेता ने 1998 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'सेविंग प्राइवेट रायन' में अपने पहले ऐतिहासिक संघर्ष से जुड़े प्रोजेक्ट के बारे में बात की। तब से टॉम हैंक्स ने युद्ध पर आधारित मिनी सीरीज 'बैंड ऑफ ब्रदर्स', 'द पैसिफिक' और 'मास्टर्स ऑफ द एयर' को बनाया है। साथ ही नौसैनिक युद्ध पर आधारित थ्रिलर 'ग्रेहाउंड' में एक्टिंग भी की।

अब उन्हें 'द हिस्ट्री चैनल' की डॉक्यूमेंट्री 'वर्ल्ड वॉर II विद टॉम हैंक्स' में नैरेट करते हुए सुना जा सकता है। हॉलीवुड रिपोर्टर से द्वितीय विश्व युद्ध से संबंधित प्रोजेक्ट्स से जुड़ने के बारे में बात करते हुए टॉम ने कहा, 'मैं हाल ही में इस बात से जूझ रहा हूं।

रात में खुद के उन पलों में मैं खुद से पूछता हूं कि मैं बार-बार कविता, सुकून और ज्ञान के उस संयोजन के लिए इसकी ओर क्यों मुड़ता हूं?' फीमेलफर्स्ट डॉट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, हैंक्स का मानना है कि इसका कारण उस समय की दुनिया और आज की दुनिया के बीच की समानताएं होनी चाहिए।

टॉम ने आगे कहा कि यह 2026 में हमारे सामने मौजूद स्पष्ट विकल्पों के बारे में अधिक होना चाहिए, न कि इस बारे में कि 1930 के दशक में उन साहसी लोगों ने क्या किया था।

### टॉलीवुड

## नागा और प्रकाश की तकरार के बीच रामू की टिप्पणी, चर्चा में है तीनों की बातें

बीते दिनों नागा बाबू ने पवन कल्याण की तस्वीर साझा करते हुए एक

टिप्पणी की थी। इस पर प्रकाश राज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अब प्रकाश राज के कमेंट पर राम गोपाल वर्मा ने चुप्पी तोड़ी है।

लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा तमाम मुद्दों पर काफी मुखर होकर अपनी राय देते हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर वे अक्सर सुर्खियां बटोरते हैं। इस बीच उन्होंने प्रकाश राज की एक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। बताते चलें कि प्रकाश राज की टिप्पणी जन सेना पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और एमएलसी नागा बाबू के एक पोस्ट को लेकर है। जानिए क्या है पूरा मामला?

राम गोपाल वर्मा की प्रतिक्रिया समझने से पहले मसला समझ लेते हैं। दरअसल, इसके तार सियासत से जुड़े हैं। बीते दिनों नागा बाबू ने पवन कल्याण की एक तस्वीर अपने एक्स अकाउंट से साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'एक लीडर की बात आखिरी होती है। उसके रास्ते में किसी ने शैतान और राक्षस नहीं देखे। सिर्फ वही जानता है कि क्या सही है और क्या गलत। संदेह करना बंद करो। अपनी जबान बंद रखो और बिना सवाल किए लीडर के पीछे चलो'। उनके इस पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। बता दें कि नागा बाबू पवन कल्याण के बड़े भाई हैं और मेगास्टार चिरंजीवी के छोटे भाई हैं।

नागा बाबू के इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रकाश राज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'आपका क्या मतलब है? हम भेड़ नहीं हैं, हम गुलाम नहीं हैं। लोकतंत्र में सवाल करना हर नागरिक का अधिकार है। किसी भी नेता की जिम्मेदारी होती है कि वह लोगों को जवाब दे'। प्रकाश राज की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। नागा बाबू का यह पोस्ट और उस पर प्रकाश राज की टिप्पणी सोशल मीडिया पर हॉट टॉपिक बना है।

### भोजपुरी

## कास्टिंग काउच पर खेसारी ने 'गीता कसम' की बात कही

वक्त वक्त पर एक्ट्रेस भोजपुरी सिनेमा में कास्टिंग काउच और कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाती रहती हैं। अब इन आरोपों पर खेसारी लाल यादव भड़क उठे हैं। उन्होंने कहा है कि

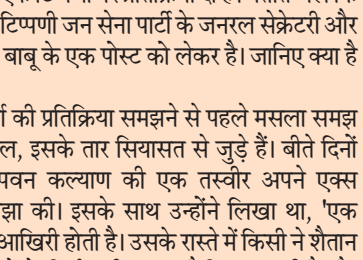

भोजपुरी इंडस्ट्री की हीरोइनें कहती हैं कि यहां कॉम्प्रोमाइज करने को कहा जाता है। पर सब यही कहती हैं कि मैंने नहीं किया। तो आपने जब किया नहीं तो किया किसने? भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने दावा किया है कि उनकी इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हर हीरोइन कहती है कि भोजपुरी इंडस्ट्री में काम के लिए कॉम्प्रोमाइज़ करना पड़ता है, यहां कास्टिंग काउच होता है। पर सभी कहती हैं कि मेरे साथ नहीं हुआ। खेसारी ने सवाल उठाया कि जब सभी कह रही हैं कि उनके साथ नहीं हुआ तो ये हुआ किसके साथ है। खेसारी ने कहा कि ये भोजपुरी प्रोड्यूसर्स-डायरेक्टर्स और एक्टर्स को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर ये इंडस्ट्री इतनी गंदी हो तो इसे छोड़ क्यों नहीं देते।

कुछ वक्त पहले पवन सिंह और अंजलि राघव का विवाद हुआ था। स्टेज पर एक्ट्रेस को गलत तरीके से छूने के मामले में पवन सिंह को माफी मांगनी पड़ी थी। इस विवाद के बीच अंजलि ने भोजपुरी इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला कर लिया था। जिंगाबाद को दिए इंटरव्यू में इसी को लेकर खेसारी लाल यादव से सवाल हुआ तो उन्होंने कहा, "ये हमेशा होता है। आप जिस हीरोइन से पूछेंगे कि भोजपुरी इंडस्ट्री में कॉम्प्रोमाइज चलता है? कास्टिंग काउच चलता है? तो साफ कहेगी कि 'हां चलता है, पर मैंने नहीं किया।

## लंदन की बहार

लंदन फैशन वीक साल में दो बार होने वाले वैश्विक महत्व का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इनमें जनवरी से मार्च और जुलाई से सितंबर के बीच होने वाले आयोजन में फैशन के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए इसे एक विशिष्ट मंच माना जाता रहा है। ब्रिटिश फैशन काउंसिल द्वारा आयोजित यह एक ऐसा मंच है, जहाँ स्थापित और उभरते हुए डिज़ाइनर अपने नवीनतम कलेक्शन पेश करते हैं। इस तरह यह रचनात्मक अभिव्यक्ति और अभूतपूर्व डिज़ाइन की एक समृद्ध विरासत को बढ़ावा देता है।

## नई पीढ़ी को भा रही हैं विंटेज वॉच, फिर लौटा बीते दौर का जादू

आज की युवा पीढ़ी ऐसी चीजें अधिक पसंद कर रही है, जिसमें कोई कहानी या फिर इतिहास छिपा हो। विंटेज वॉच सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक इमोशनल और स्टाइल स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं। 1940 से 1990 के दशक की विंटेज घड़ियां आज की युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। क्लासिक डिजाइन, रॉयल लुक और सस्टेनेबल फैशन की वजह से इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। क्या आपको अपनी पहली घड़ी याद है? शायद वह अब फैशन में न हो, लेकिन पुराने दौर का वही क्लासिक डिजाइन आज फिर से ट्रेंड बन चुका है। स्मार्टफोन के दौर में जहां लोग हर समय देखने के लिए मोबाइल पर निर्भर हो चुके हैं, वहीं आज की युवा पीढ़ी फिर से विंटेज वॉच की ओर लौट रही है।

1940 से 1990 के दशक की घड़ियां अब सिर्फ समय देखने का साधन नहीं रहीं, बल्कि फैशन, स्टाइल और व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुकी हैं। आजकल जेन-जी (आज की युवा पीढ़ी) के बीच इन घड़ियों का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और यही वजह है कि बाजार में विंटेज स्टाइल घड़ियों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

### पुरानी घड़ियों का नया फैशन ट्रेंड

एक समय था, जब पुरानी घड़ियों को केवल घर की यादगार चीज माना जाता था, लेकिन अब वही घड़ियां युवाओं की पहली पसंद बन रही हैं। कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स तक, हर कोई विंटेज वॉच पहनना पसंद कर रहा है।

इन घड़ियों का डिजाइन आज की मॉडर्न घड़ियों से बिल्कुल अलग होता है। इन घड़ियों का छोटा डायल, लेदर स्ट्रैप, गोल्डन फ्रेम और सिंपल लुक इन्हें बेहद खास बनाता है। इनका क्लासिक स्टाइल लोगों को रॉयल और एलिगेंट लुक देता है। आज की युवा पीढ़ी ऐसी चीजें अधिक पसंद कर रही है, जिसमें कोई कहानी या फिर इतिहास छिपा हो। विंटेज वॉच सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक इमोशनल और स्टाइल स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं।

### सस्टेनेबल फैशन का बढ़ता चलन

आजकल लोग बार-बार नई चीजें खरीदने के बजाय लंबे समय तक चलने वाली चीजों को चुन रहे हैं। विंटेज वॉच इस सोच पर पूरी तरह फिट बैठती हैं। यही कारण है कि सस्टेनेबल फैशन के साथ इनकी लोकप्रियता और बढ़ रही है। इसके अलावा विंटेज वॉच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये हर लुक के साथ आसानी से मैच हो जाती हैं, चाहे फॉर्मल ड्रेस हो, कैजुअल आउटफिट या पार्टी लुक। ये हर स्टाइल में क्लासी टच जोड़ती हैं।

### महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहा क्रेज

अब सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी विंटेज वॉच को फैशन का अहम हिस्सा बना रही हैं। स्लिम डायल और एलिगेंट डिजाइन वाली घड़ियां महिलाओं के बीच काफी पसंद की जा रही हैं।

## सफेद ड्रेस में दिखें एलिगेंट और ग्लोइंग, जानें स्टाइलिंग टिप्स

आपको सफेद रंग और इस रंग के आउटफिट पहनना पसंद है, लेकिन आपका रंग सफेद में फीका दिखता है। ऐसे में आपको सफेद आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ टिप्स के बारे में जानना चाहिए, ताकि सफेद कपड़ों में आप और आपका आत्मविश्वास निखरकर सामने आए।

सफेद रंग को हमेशा से एलिगेंस, क्लास और सादगी का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि सफेद आउटफिट लगभग हर महिला की वॉर्डरोब का अहम हिस्सा होते हैं। चाहे ऑफिस लुक हो, कैजुअल आउटिंग या पार्टी वियर, सफेद आउटफिट हर मौके पर स्टाइलिश दिखाई देते हैं। लेकिन कई बार सफेद कपड़े पहनते ही चेहरा फीका और पूरा लुक डल नजर आने लगता है, जिस वजह से मन होते हुए भी आप उसे पहनती नहीं हैं। फैशन एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर स्किन टोन के अनुसार आउटफिट का सही व्हाइट शेड, सही मेकअप और परफेक्ट एक्सेसरीज चुनी जाएं, तो सफेद ड्रेस आपके चेहरे की चमक को कई गुना बढ़ा सकती है।

### चुनना होगा सफेद का सही शेड

सफेद कपड़े पहनते समय अपनी स्किन टोन के अनुसार सही शेड चुनना जरूरी है, वरना चेहरा डल दिख सकता है। गेहुंआ या सांवली त्वचा पर प्योर व्हाइट की बजाय ऑफ-व्हाइट (क्रीम), आइवरी या लाइट बेज शेड बेहतर लगते हैं। ये रंग त्वचा के साथ मेल खाते हैं और चेहरे को नेचुरल ग्लो और सॉफ्ट लुक देते हैं। वहीं, फेयर स्किन पर प्योर व्हाइट, स्नो व्हाइट या क्रिस्प व्हाइट शेड बेहद खूबसूरत लगते हैं। ये चेहरे की चमक बढ़ाते हैं।

### सही फैब्रिक का चयन मायने रखता है

सफेद ड्रेस का लुक केवल रंग पर ही नहीं, बल्कि फैब्रिक पर भी निर्भर करता है। गर्मियों के मौसम में कॉटन, लिनन और रेयॉन जैसे हल्के और आरामदायक फैब्रिक सबसे अच्छे विकल्प माने जाते हैं।

## गर्मियों में परफ्यूम ज्यादा देर तक खुशबू बिखेरेगा, अपनाएं सही तरीका

गर्मियों में परफ्यूम को लंबे समय तक टिकाने के लिए मॉइस्चराइजर लगाएं, पल्स पाइंट्स पर परफ्यूम स्प्रे करें, कपड़ों पर हल्का इस्तेमाल करें और परफ्यूम को ठंडी जगह पर स्टोर करें। इससे खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। गर्मियों के मौसम में पसीना और तेज धूप की वजह से परफ्यूम की खुशबू ज्यादा देर तक टिक नहीं पाती। कई लोग सुबह महंगा परफ्यूम लगाते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसकी फ्रेगरेंस गायब हो जाती है। ऐसे में बार-बार परफ्यूम इस्तेमाल करना पड़ता है, जिससे परफ्यूम जल्दी खत्म होने लगता है।

सही जगह पर परफ्यूम लगाना, त्वचा को मॉइस्चराइज रखना और सही फ्रेगरेंस चुनना बेहद जरूरी माना जाता है। इतना ही नहीं, परफ्यूम स्टोर करने का तरीका भी उसकी क्वालिटी और लॉन्ग-लास्टिंग पर असर डालता है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी खुशबू पूरे दिन बनी रहे और लोग आपकी फ्रेगरेंस नोटिस करें, तो ये आसान और असरदार टिप्स आपके बेहद काम आने वाले हैं।

### पहले मॉइस्चराइजर लगाएं

ड्राई स्किन पर परफ्यूम ज्यादा देर तक नहीं टिकता। बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर लगाने से फ्रेगरेंस लंबे समय तक बनी रहती है। माइस्चराइज स्किन खुशबू को बेहतर तरीके से होल्ड करती है।

### पल्स पाइंट्स पर परफ्यूम लगाएं

कलाई, गर्दन और कानों के पीछे परफ्यूम लगाना ज्यादा असरदार माना जाता है। इन जगहों पर शरीर की गर्मी खुशबू को धीरे-धीरे रिलीज करती है। इससे फ्रेगरेंस ज्यादा देर तक महसूस होती है।

## अपने बालों के हिसाब से चुनें हेयर ऑयल, रहेगा सबसे असरदार

बालों के लिए सबसे अच्छा तेल आपके हेयर टाइप पर निर्भर करता है। ड्राई और फ्रिजी बालों के लिए तिल, बादाम और अरंडी का तेल बेहतर है। हेयर फॉल और समय से पहले सफेद होने वाले बालों के लिए नारियल, भृंगराज और आंवला तेल उपयोगी माना जाता है। वहीं ऑयली स्कैल्प और डैंड्रफ की समस्या में सरसों, नीम और टी ट्री ऑयल फायदेमंद हो सकते हैं। आजकल बालों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। किसी के बाल बहुत ज्यादा झड़ रहे हैं, तो कोई डैंड्रफ और ऑयली स्कैल्प से परेशान है। वहीं कई लोगों के बाल इतने ड्राई और फ्रिजी हो जाते हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ज्यादातर लोग बाजार में मिलने वाला कोई भी हेयर ऑयल खरीदकर इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। हेयर केयर एक्सपर्ट्स के अनुसार, आपके बालों का प्रकार ही तय करता है कि कौन सा तेल आपके लिए सबसे ज्यादा असरदार रहेगा। गलत तेल लगाने से कई बार बालों की समस्याएं कम होने की बजाय और बढ़ सकती हैं। इसलिए बालों की जरूरत को समझकर ही हेयर ऑयल चुनना चाहिए।

अगर आपके बाल ड्राई हैं तो उन्हें गहरी नमी की जरूरत होती है, जबकि ऑयली स्कैल्प वाले लोगों को ऐसा तेल चाहिए जो अतिरिक्त तेल और गंदगी को नियंत्रित करने में मदद करे। वहीं हेयर फॉल और समय से पहले सफेद होने वाले बालों के लिए ठंडक देने वाले और पोषण से भरपूर तेल अधिक फायदेमंद माने जाते हैं। सही तेल न केवल बालों को पोषण देता है बल्कि स्कैल्प को स्वस्थ बनाकर हेयर ग्रोथ को भी बेहतर कर सकता है।

**कार्नर न्यूज**

### प्राकृतिक तरीकों से भी चाहते हैं स्किन की देखभाल

## ब्यूटी इंडस्ट्री का नया ट्रेंड स्किन फास्टिंग अपना रहे लोग, अपनी त्वचा की सेहत को लेकर उठा रहे कदम

जहां आज के समय में लोग अपने स्किन केयर का काफी ध्यान रखते हैं, वहीं इसी बीच अब स्किन फास्टिंग की खबरें भी सामने आ रहीं हैं। ये क्या है, आइए जानते हैं।आज के समय में त्वचा की सेहत को लेकर लोग बेहद सतर्क हो गए हैं। बाजार में कई महंगे प्रोडक्ट्स और ब्यूटी ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ लोग इसे प्राकृतिक और हल्के तरीके से सुधारना चाहते हैं। इसी के चलते 'स्किन फास्टिंग' का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है।

यह एक ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को रोजमर्रा के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, हेवी क्रीम्स और केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। स्किन फास्टिंग का उद्देश्य त्वचा को रेस्ट देना, उसे खुद को रिजनरेट करने का समय देना और नेचुरल ग्लो वापस लाना है। यहां आपको बताएंगे ये क्या है और इसके फायदे क्या हैं।

### स्किन फास्टिंग क्या है?

स्किन फास्टिंग एक ऐसा तरीका है जिसमें त्वचा को समय-समय पर कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स, जैसे कि

मॉइस्चराइजर, मेकअप, सनस्क्रीन और अन्य टॉपिकल केमिकल्स से मुक्त रखा जाता है। इसका उद्देश्य त्वचा को खुद को रीजेनरेट करने का समय देना और प्राकृतिक ग्लो वापस लाना है। इसे सप्ताह में 1–2 दिन अपनाना सबसे सुरक्षित माना जाता है।

त्वचा को क्या लाभ मिलता है?

जब त्वचा को आराम मिलता है, तो यह अपने ऑयल बैलेंस को ठीक करने लगती है। स्किन फास्टिंग से पोर क्लियर होते हैं, ब्लैकहेड्स कम होते हैं और प्राकृतिक नमी बनती है। इस प्रक्रिया से सेल रिजनरेशन भी तेज होती है, जिससे नई त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है।

### कौन कर सकता है स्किन फास्टिंग?

स्किन फास्टिंग हर प्रकार की त्वचा के लिए फायदेमंद है, लेकिन खासकर ऑयली और एक्ने प्रोन स्किन वालों के लिए यह बेहद उपयोगी है। ड्राई स्किन वाले लोग हल्का मॉइस्चराइज़र या हाइड्रेटिंग फेस मिस्ट इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि अत्यधिक ड्राईनेस से बचा जा सके।

शुरुआत में क्या ध्यान रखें?

शुरुआत में त्वचा थोड़ी ड्रा या लाल हो सकती है। इसे सामान्य माना जाता है क्योंकि त्वचा अपनी आदतों को

बदल रही होती है। शुरुआती दिनों में दिन का हिस्सा चुनें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। त्वचा को धूप, धूल और प्रदूषण से बचाने के लिए हल्का सनस्क्रीन या शैडो में रहने की सलाह दी जाती है।

### स्किन फास्टिंग का लॉन्ग-टर्म फायदा

लगातार स्किन फास्टिंग करने से त्वचा की इम्यूनिटी बढ़ती है, प्राकृतिक ग्लो लौटता है और चेहरे की लाइनें कम दिखाई देती हैं। यह महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स की जगह प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प बन सकता है। इस तरीके से त्वचा अंदर से स्वस्थ और लंबी अवधि तक चमकदार रहती है।